राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेलः-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 07 अक्टूबर 2025 वर्ष-8,अंक-228 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीन वैज्ञानिकों को चिकित्सा का नोबेल मिला

- मैरी ब्रूनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन सकागुची को मिला पुरस्कार

मैरी ई. ब्रंकॉ (इंस्टीट्यूट फॉर सिस्टम्स बायोलॉजी, सिएटल, अमेरिका) | फ्रेड रामस्डेल (सोनोमा बायोथेरेप्यूटिक्स, सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका) | शिमोन साकागुची (ओसाका यूनिवर्सिटी, जापान)

स्टॉकहोम (एजेंसी)। वर्ष 2025 के चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार की घोषणा कर दी गई है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को फिजियोलॉजी या मेडिसिन के नोबेल पुरस्कार विजेताओं को नाम का ऐलान किया है। इस साल तीन वैज्ञानिकों- मैरी ई. ब्रूनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन सकागुची को चिकित्सा क्षेत्र का नेबोल पुरस्कार मिला है। परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता (पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस) से संबंधित खोजों के लिए तीनों को नोबेल का मिला है। चिकित्सा के क्षेत्र में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कार को आधिकारिक तौर पर 'फिजियोलॉजी या मेडिसिन' का नोबेल पुरस्कार कहा जाता है।

शांति का नोबेल शुक्रवार को

मंगलवार को भौतिकी, बुधवार को रसायन विज्ञान और बृहस्पतिवार को साहित्य के नोबेल पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा की जाएगी। नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार और अर्थशास्त्र में नोबेल मेमोरियल पुरस्कार की घोषणा 13 अक्टूबर को होगी। इसके बाद 10 दिसंबर को पुरस्कार समारोह आयोजित किया जाएगा। नोबेल पुरस्कार विजेता को एक स्वर्ण पदक, एक डिप्लोमा और नोबेल फाउंडेशन की ओर से वित्तपोषित एक नकद पुरस्कार मिलता है, जो नोबेल निधि का प्रबंधन करता है। इस वर्ष का पुरस्कार 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर (1.2 मिलियन) का है। नोबेल पुरस्कार विजेताओं को रातोंरात प्रसिद्धि मिलने का मौका भी देता है।

नोबेल की वसीयत

नोबेल पुरस्कार, स्वीडिश इंजीनियर और उद्योगपति अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत द्वारा स्थापित सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों का एक समूह है, जिन्हें डायनामाइट की खोज के लिए जाना जाता है। अपनी 1895 की वसीयत में नोबेल ने अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा उन वार्षिक पुरस्कारों के लिए छोड़ दिया था।

बिहार में बजा चुनावी बिगुल... 2 फेज में होंगे विधानसभा चुनाव

6 व 11 नवंबर को वोटिंग, मतगणना 14 नवंबर को

नईदिल्ली/पटना (एजेंसी)। बिहार में चुनावी बिगुल बजने का इंतजार आज खत्म हो गया। चुनाव आयोग ने बिहार में दो चरणों में सभी 243 विधानसभा सीटों के लिए मतदान कराने का फैसला लिया गया है। पहले चरण का चुनाव 6 नवंबर और दूसरे चरण का 11 नवंबर को होगा। मतगणना की तिथि 14 नवंबर तय की गई है। भारत निर्वाचन आयोग की सोमवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के विस्तृत कार्यक्रम की आधिकारिक ऐलान किया गया। चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही राज्य में आदर्श आचार संहिता भी लागू हो गई।

ज्ञानेश कुमार ने कहा- बिहार चुनाव पूरी पारदर्शिता के साथ होंगे

मुख्य चुनाव आयुक्त ने ज्ञानेश कुमार ने कहा, जो सारी बातें समीक्षा में आई। बिहार में हम सभी राजनीतिक दलों, पुलिस अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारियों से मिले। सुरक्षाबलों के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। आयोग आपको बतलाना चाहता है कि इस बार बिहार चुनाव मतदाताओं के लिए सरल, सुगम होंगे, पूरी लॉबी मतदाताओं की मदद के लिए खड़ी रहेगी, बिहार चुनाव पूरी पारदर्शिता के साथ होंगे। इस बार का बिहार चुनाव सबसे अच्छे चुनावों में शामिल होगा। ऐसी आयोग की मंशा है।

वोटिंग लिस्ट में सुधार कराया जा सकता है -मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, 30 सितंबर को फाइनल लिस्ट (मतदाता सूची) पब्लिश की गई है। अभी भी कोई गलती रह गई हो तो जिला अधिकारी के पास अपील की जा सकती है। साथ ही किसी का नाम छूटा हो तो नॉमिनेशन के 10 दिन पहले तक नाम जुड़वा सकता है। इसके बाद कोई भी नाम नहीं जोड़ा जा सकता है। आयोग की पूरी टीम और तीन आयुक्तों ने बिहार का दौरा किया।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश ने कहा- बिहार में चुनाव का आगमन -मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, इस चुनाव में आयोग की तैयारियों की पूरी जानकारी आपको देंगे। बिहार की पावन भूमि पर 5 सालों के बाद विधानसभा के चुनाव का आगमन हो रहा है।

बिहार चुनाव 2025

पहला फेज - 121 सीटें

नोटिफिकेशन	नॉमिनेशन	स्क्रूटनी	नाम वापसी	वोटिंग
10 अक्टूबर	10-17 अक्टूबर	18 अक्टूबर	20 अक्टूबर	6 नवंबर

दूसरा फेज - 122 सीटें

नोटिफिकेशन	नॉमिनेशन	स्क्रूटनी	नाम वापसी	वोटिंग
13 अक्टूबर	13-20 अक्टूबर	21 अक्टूबर	23 अक्टूबर	11 नवंबर

नतीजे - 14 नवंबर

कुल सीट: 243 | बहुमत: 122 | 40 दिन की चुनाव प्रक्रिया

चुनाव के ऐलान से पहले पटना में दौड़ी मेट्रो

- अचानक सीट से उठकर बाहर का नजारा देखने लगे नीतीश

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के ऐलान से पहले पटना मेट्रो की शुरुआत हो गई है। सोमवार को सीएम नीतीश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने पटना मेट्रो से सफर भी किया। आईएसबीटी से जीरोमाइल होते हुए भूतनाथ तक गए। इस दौरान सीएम अचानक अपनी सीट से उठे और विंडो से बाहर का नजारा देखने लगे। दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा भी साथ रहे। पहले फेज में आईएसबीटी से भूतनाथ रोड के बीच 3 स्टेशन के बीच इसे चलाया जाएगा। ये ट्रैक 4.5 किमी लंबा है। किराया फिलहाल 15 रुपए होगा। पटना के लोगों के लिए मेट्रो सेवा आज यानी 7 अक्टूबर से शुरू हो जाएगी।

भाई ने बहन को नहर में डुबोकर मार डाला

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर में एक युवक ने अपनी सगी छोटी बहन को नहर के पानी में डुबोकर मार डाला। इसके बाद घर से कुछ ही दूर एक खेत में उसकी लाश फेंक दी। कुछ देर बाद खुद थाने पहुंचा और कहा- मैंने अपनी बहन की हत्या कर दी है। लाश खेत में पड़ी है। युवक ने बताया- मेरी बहन का अफेयर चल रहा था। उसे कई बार समझाया, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं थी। इसीलिए जान से मार दिया।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई गवई पर हमले की कोशिश

- कोर्ट रूम में वकील ने जूता फेंका, नारा लगाया- सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने सीजेआई बीआर गवई पर हमला करने की कोशिश की। यह घटना उस समय हुई जब सीजेआई की बेंच एक मामले की सुनवाई कर रही थी। कोर्ट रूम में मौजूद वकीलों के हवाले से बताया कि वकील ने सीजेआई की तरफ जूता फेंका। हालांकि, जूता उनकी बेंच तक नहीं पहुंच सका। सुरक्षाकर्मियों ने फौरन उसे पकड़ लिया। बाहर जाते वक्त वकील ने नारा लगाया- सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। घटना के बाद सीजेआई ने अदालत में मौजूद वकीलों से अपनी दलीलें जारी रखने को कहा। कहा कि इस सबसे परेशान न हों। मैं भी परेशान नहीं हूं, इन चीजों से मुझे फर्क नहीं पड़ता।

16 सितंबर को सीजेआई ने कहा था- जाओ, भगवान से खुद करने को कहो- मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी वकील का नाम राकेश किशोर कुमार है। सुप्रीम कोर्ट बार में उनका रजिस्ट्रेशन 2011 का है।

बंगाल के जलपाईगुड़ी में भाजपा सांसद पर हमला, सिर फूटा

- बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री बांटने गए थे; भीड़ का पथराव, नारे लगाए- वापस जाओ

जलपाईगुड़ी (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में सोमवार को भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर सैकड़ों लोगों की भीड़ ने हमला कर दिया। लोगों ने सांसद पर पत्थरबाजी की, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका सिर फूट गया। खगेन, मालदा से सांसद हैं। मामला जलपाईगुड़ी जिले के दुआर्स क्षेत्र के नागरकाटा का है।

भीड़ ने सांसद के साथ गए भाजपा विधायक शंकर घोष और अन्य नेताओं पर भी हमला किया। सभी बाढ़ प्रभावित इलाके में लोगों को राहत सामग्री बांटने गए थे। हमले से पहले 500 से ज्यादा लोगों ने 'वापस जाओ' के नारे लगाए और सड़कें जाम कर दीं। हमले के बाद सामने आई तस्वीरों में भाजपा सांसद खून से लथपथ एक गाड़ी में बैठे हुए दिखाई दिए। उनके चेहरे से लगातार खून बहता हुआ दिखा। उनका सफेद कुर्ता और गमछा भी खून से लाल हो गया। वे रूमाल से बार-बार अपने चेहरे को पोंछते हुए दिखाई दिए।

भाजपा ने कहा- सांसद पर टीएमसी के गुंडों ने हमला किया- हमले की तस्वीरें सामने आने के कुछ मिनट बाद ही भाजपा ने सोशल मीडिया पर टीएमसी पर पलटवार किया। भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा- टीएमसी का जंगलराज बंगाल में लौट आया है!

दार्जिलिंग में लैंडस्लाइड से अब तक 24 लोगों की मौतें

कई लापता, हजारों टूरिस्ट फंसे, हिमाचल में बर्फवारी

दार्जिलिंग/शिमला/हिमाचल (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में रविवार को तेज बारिश के बाद हुई लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 24 हो गई है। इनमें 7 बच्चे हैं। कई लोग अब भी लापता हैं। लैंडस्लाइड में

कई घर बह गए। दार्जिलिंग और सिक्किम का सड़क संपर्क देश के बाकी हिस्सों से टूट गया है। इसके कारण हजारों पर्यटक फंसे हैं। दार्जिलिंग और कर्सियांग के बीच नेशनल हाइवे टूट गया है। मिरिक और दूधिया के पास लोहे का ब्रिज टूटने से दार्जिलिंग से सिलीगुड़ी का वैकल्पिक रास्ता भी बंद है। अलीपुरदुआर में रेल ट्रैक डूबने से तीन गाड़ियां रद्द की गईं। दार्जिलिंग और कालिम्पोंग में चाय के बागान डूब गए हैं। इधर, जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश का अलर्ट है। इसके चलते स्कूल शिक्षा निदेशालय जम्मू ने सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को 6 और 7 अक्टूबर के लिए बंद करने का आदेश दिया है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने वैष्णो देवी यात्रा 5 से 7 अक्टूबर तक सस्पेंड करने की घोषणा की है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से हिमाचल के लाहौल-स्पीति, मनाली, चंबा और धौलाधर की पहाड़ियों पर सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। इस बार बर्फबारी सामान्य से करीब 20 दिन पहले हुई।

वांगचुक अरेस्ट केस- एससी में 14 अक्टूबर तक सुनवाई टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को जोधपुर जेल में बंद सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से जुड़ी हेबियस कार्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) की याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी करके सोनम वांगचुक की पत्नी की याचिका पर जवाब मांगा है। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो की याचिका में पति की एनएसए के तहत गिरफ्तारी को चुनौती दी गई थी।

योगी ने सफाईकर्मियों पर फूल बरसाए

वाराणसी में सिलाई मशीन और लैपटॉप बांटे, बोले- सफाईकर्मियों का कोई शोषण नहीं कर पाएगा

वाराणसी (एजेंसी)। सीएम योगी आज 2 दिवसीय दौरे पर काशी पहुंचे हैं। सबसे पहले वह अन्नपूर्णा ऋषिकुल विद्यालय शिवपुर पहुंचे। उन्होंने कहा- आज यहां 250 से ज्यादा बेटियों को सिलाई मशीन दी है। कई छात्र-छात्राओं को कंप्यूटर का प्रशिक्षण दिलाया गया। अब आज उन्हें लैपटॉप दिया है।

योगी ने कहा- सीधे खाते में पैसे जाने से अब कोई सफाईकर्मियों शोषण नहीं कर पाएगा। इसके अलावा आयुष्मान कार्ड बनने से उन्हें स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं को लेकर भी चिंतित रहने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसकी मदद से उन्हें बेहतर इलाज की सुविधा मिलेगी।

सफाईकर्मियों को अब सीधे उनके एकाउंट में 16000 रुपए से लेकर रू. 20000 प्रति माह पहुंच जाएगा। सभी सफाईकर्मियों का आयुष्मान कार्ड भी बनेगा। इसकी मदद से वह अपना 5 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त करा सकेंगे।

मिशन शक्ति में महिला सुरक्षा, महिला सम्मान और नारी स्वावलंबन का एक कार्यक्रम अपने आप में उसको जोड़ दे रहा है। हमारी भारतीय संस्कृति तो सदैव से इस बात की आग्रही रही है कि नारी की गरिमा उसकी सुरक्षा, उसका सम्मान और उसके स्वावलंबन को भारत की संस्कृति ने सदैव से सर्वोच्च स्थान दिया है।

जापान में पहली महिला पीएम बनेंगी साने ताकाइची

- शिंजो आबे की थी करीबी, 'आयरन लेडी' के नाम से मशहूर

टोक्यो (एजेंसी)। जापान में पहली बार एक महिला प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं। सत्ताधारी लिब्रल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) ने साने ताकाइची को नया अध्यक्ष चुना है। जापान में बहुमत वाली पार्टी का अध्यक्ष ही नया पीएम बनता है। ताकाइची पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की करीबी मानी जाती हैं। शिंजो जापान में सबसे लंबे समय तक पीएम रहे थे।

कॉलेज में थी हेवी मेटल बैंड की ड्रमर- साने ताकाइची का जन्म 1961 में जापान के नारा प्रांत में हुआ था। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया है कि, वे बचपन से ही अपने माता-पिता के खिलाफ बगावती रही है। नारा हाई स्कूल से अपनी स्कूलिंग पूरी करने के बाद, उन्हें टोक्यो की बड़े यूनिवर्सिटी से हायर एजुकेशन के लिए ऑफर मिला मगर उनके माता-पिता ने प्राइवेट यूनिवर्सिटी का खर्च उठाने से मना कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी ग्रेजुएशन कोबे यूनिवर्सिटी से की। इंटरव्यू में ताकाइची ने बताया की हाई स्कूल जाते समय, देरी होने पर वे बाइक इस्तेमाल करती थी। बाइक को स्कूल के पीछे पार्क करती थी और दीवार फांद कर स्कूल पहुंचती थी। वहीं ताकाइची कॉलेज के समय हेवी मेटल बैंड में ड्रम प्लेयर थी। वे बताती हैं की उनकी परफॉर्मेंस इतनी बेहतरीन होती थी कि स्टिक तक टूट जाती थी। अपनी किताब में उन्होंने अपने प्रेम प्रसंगों के बारे में भी खुल कर बताया हैं।

जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में आग

8 मरीजों की मौत

ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में देर रात हुआ हादसा; स्वास्थ्य मंत्री के सामने नारेबाजी, हंगामा

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में रविवार देर रात आग लग गई। हादसे में 8 मरीजों की मौत हो गई। इनमें 3 महिलाएं शामिल हैं। रात 11 बजकर 20 मिनट पर यह आग ट्रॉमा सेंटर के न्यूरो आईसीयू वार्ड के स्टोर में लगी। यहां पेपर, आईसीयू का सामान और ब्लड सैंपलर ट्यूब रखे थे।

पिंटू सीकर | दिलीप जयपुर | सर्वेश आगरा | रुकमणि भरतपुर | कुषमा भरतपुर | बहादुर जयपुर | दिगंबर वर्मा सवाई माधोपुर | श्रीनाथ भरतपुर

ट्रॉमा सेंटर के नोडल ऑफिसर और सीनियर डॉक्टर ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। हादसे के समय आईसीयू में 11 मरीज थे। उसके बगल वाले आईसीयू में 13 मरीज थे।

वहीं, इस अग्निकांड की जांच के लिए शासन स्तर पर 6 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और सबूत इकट्ठे किए।

- **जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदना:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है- राजस्थान के जयपुर स्थित एक हॉस्पिटल में आग लगने से हुई जान-माल की हानि अत्यंत दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदना। ईश्वर करे कि घायल शीघ्र स्वस्थ हों।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत को अपने समुद्री सीमा को अधिक मजबूत करना होगा

(लेखक - संजय गोस्वामी)

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के निर्णायक सैन्य जवाब के रूप में 07 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। कश्मीर में 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले में एक नेपाली नागरिक सहित 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई। ऑपरेशन सिंदूर के तहत, भारतीय सशस्त्र बलों ने पीओके और पाकिस्तानी क्षेत्र में 9 आतंकी स्थलों को निशाना बनाया,मई 2025 में पाकिस्तान के साथ भारत का हमला ऑपरेशन सिंदूर से वायु क्षेत्र में भारत की शक्ति में वृद्धि हुआ, इसलिए भारत ने पुराने मिग 21 विमान को अलविदा कर दिया बाद के घटनाक्रमों का ध्यान समुद्री क्षेत्र की ओर मोड़ दिया है, जैसा कि भारत और पाकिस्तान दोनों की प्रमुख नौसैनिक गतिविधियों, क्षमता और आधिकारिक बयानों में देखा जा सकता है, जहाँ उनकी नौसेनाएँ अपनी स्थिति में सुधार कर रही हैं और युद्ध से निपटने के लिए तैयारी का संकेत दे रही हैं। 2 अक्टूबर को, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 के युद्ध का हवाला देते हुए, पाकिस्तान को एक तीखी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी, जो भारत में किसी तरफ के आतंकवादी घटना में पाकिस्तान द्वारा किसी भी दुस्साहस की स्थिति में उसके इतिहास और भूगोल को बदल सकती है लेकिन पाकिस्तान समुद्री क्षेत्र में सैन्य बुनियादी ढाँचे का विस्तार कर रहा है, यह एक ऐसा विकास है जो 2023 से जारी है। ऐतिहासिक रूप से, पाकिस्तान को इस क्षेत्र में एक सैन्य बढ़त हासिल रही है। यह अगस्त में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी द्वारा दिए गए उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि भविष्य में किसी भी संघर्ष में पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने वाली नौ सेना पहली सेना होगी।नौसेना से जुड़ी हाल की खबरें बताती हैं कि भारत ने अपना पहला स्वदेशी 3डी निगरानी रडार लांजा-एन प्राप्त किया है, जो हवाई और सतह के लक्ष्यों का पता लगा सकता है। साथ ही, नौसेना को दो आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को भी शामिल किया गया है, जिससे उसकी शक्ति में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, भारतीय नौसेना ने सफलतापूर्वक वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल का परीक्षण किया, जो हवाई खतरों से निपटने में सक्षम है।

ऑपरेशन सिंदूर में नौसेना की स्थिति को देखते हुए यह डिज़ाइन किया गया है स्वदेशी रूप से डिज़ाइन किए गए पहले युद्ध पोत, आईएनएस निस्तार का शामिल होना और दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के साथ भारत का पहला संयुक्त गश्ती दल की क्षमता व युद्ध पोत का निर्माण और हिंद-प्रशांत महासागर में में उसकी तैनाती दोनों को दर्शाता है, कि भारत की महासागर में पकड़ मजबूत है लेकिन पाकिस्तान भी जहाँ कराची और ग्वादर में चीन की उपस्थिति चिंता जनक है। पाकिस्तान ने अपने समुद्री सिग्नलिंग को हाल ही भी मजबूत किया है। मई में, उसने युद्ध में समुद्री आक्रमण से बचने के लिए कराची से ग्वादर तक समुद्र में युद्ध पोत की अपनी तैनाती बढ़ा दीं है। तब से, चीन द्वारा निर्मित हैंगोर श्रेणी की पनडुब्बी, पीएनएस मैंग्रो का प्रक्षेपण किया है और घरेलू स्तर पर विकसित पी282 जहाज से प्रक्षेपित करने वाला बैलिस्टिक मिसाइल का प्रदर्शन किया है। इसके बाद भारत ने नोटिस टू एयरमैन को जारी किया जाता है जब हवाई यातायात की आवाजाही एक निश्चित अवधि के लिए प्रतिबंधित होती है।, कई , मिसाइल का भी परीक्षण किया और लाइव-री अभ्यास भी हुए हैं - कभी-कभी केवल 60 समुद्री मील की दूरी पर - जिससे अरब सागर में अलर्ट और परिचालन का एक चक्र बना रहा है। नौसेना सिग्नलिंग का महत्व ऑपरेशन सिंदूर के बाद नौसेना की गतिविधियों में वृद्धि एक बुनियादी सवाल उठाती है कि क्या ये समानांतर अभ्यास केवल नियमित गतिविधियाँ हैं या नौसेना क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान निरोध समीकरण में बदलाव का संकेत देने वाला एक सुनियोजित बल प्रदर्शन है। इसका उत्तर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मौजूदा संकट, हालाँकि हवाई क्षेत्र में हल हो गया है, लेकिन समुद्र में रणनीतिक अनिश्चितता का एक अवशेष छोड़ गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत और पाकिस्तान अपनी नौसैनिक स्थिति को नए सिरे से तैयार कर रहे हैं, न केवल प्रतिरोध के लिए, बल्कि इस संभावना के लिए भी तैयारी कर रहे हैं कि टकराव का अगला चरण समुद्री क्षेत्र में सामने आ सकता है। इस बदलाव को क्षमताओं के व्यापक संतुलन के संदर्भ में भी समझा जाना चाहिए। वायु क्षेत्र की तरह, समुद्री संतुलन को अब 1999 में कारगिल युद्ध में जीत मिली लेकिन समुद्र में उसकी शक्ति की कम थी जब 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध में जिस तरह अमेरिका के युद्ध पोत जंग में भारत के लिए खतरा बना था जिसे रूस के युद्ध पोतों ने टाला था और भारत विजय हुआ लेकिन 26/11/08 में समुद्री मार्ग से पाकिस्तान के आतंकवादी का घुसना और मुंबई में कत्लेआम मचाना भी समुद्री मार्ग एक कमजोर कड़ी के रूप में देखा जाता है। भारत की नौ सेना की ताकत कम नहीं है, लेकिन उसकी नौसैनिक क्षमता अब पुरानी होती जा रही है, जिससे आधुनिकीकरण की चिंताएँ बढ़ रही हैं। पाकिस्तान लगातार अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है, चीन द्वारा डिज़ाइन की गई पनडुब्बियों और तुर्की से बाबर श्रेणी के कोरवेट को शामिल कर रहा है। उन्नत रडार, इलेक्ट्रॉनिक युद्धक उपकरणों और बहुमुखी वायु-रोधी और सतह-रोधी हथियारों के साथ, ये संपत्तियाँ महत्वपूर्ण हैं। इस बदलाव को स्वीकार करते हुए, भारत के नौसेना प्रमुख ने पाकिस्तान की नौसेना की शक्ति में आश्चर्यजनक वृद्धि की ओर भी इशारा किया था। हालाँकि भारत की बढ़त अभी भी बनी रह सकती है, लेकिन यह अंतर कम होता जा रहा है, जिससे हिंद महासागर में निर्विवाद प्रभुत्व की धारणाएँ और भी जटिल हो रही हैं। कुल मिलाकर, ये घटनाएँ तीन कारणों से महत्वपूर्ण हैं:- तनाव नियंत्रण, बाहरी हस्तक्षेप और दोनों पक्षों के बदलते सिद्धांत। पहला, समुद्र में तनाव नियंत्रण कहीं अधिक कठिन है। हवाई झड़पों के विपरीत, जिन्हें संतुलित करके पीछे हटाया जा सकता है, किसी भी नौसैनिक मुठभेड़ (जहाज पर जहाज या जमीन पर जहाज) में युद्ध की दहलीज पार करने का जोखिम अधिक होगा। 1971 की यादें, जब भारतीय नौसैनिक अभियानों ने संघर्ष को निर्णायक रूप से बदल दिया था, अतिरिक्त संवेदनशीलता जोड़ती हैं - यहाँ तक कि सीमित समुद्री कार्रवाई भी पाकिस्तान की रणनीतिक कल्पना में अस्तित्व के जोखिम से जुड़ी है। तब से, पाकिस्तान की मुख्य समुद्री चिंता भारतीय नौसैनिक अभियानों के प्रति अपनी कमज़ोरी की पुनरावृत्ति को रोकना रही है, जो पहुँच-रोधी/क्षेत्र-निषेध क्षमताओं की खोज और निषेध द्वारा निवारण की ओर उन्मुख सिद्धांत की क्रमिक अभिव्यक्ति में दिखाई देती है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के ढाँचे के तहत ग्वादर के विकास को भी इसी निवारण तर्क के अंतर्गत समझा जाना चाहिए। पाकिस्तान के निर्णयकर्ता लंबे समय से कहते रहे हैं कि ग्वादर की उत्पत्ति बीजिंग की बजाय इस्लामाबाद की अपनी रणनीतिक गणनाओं में निहित है। इस प्रकार, ग्वादर और कराची केवल आर्थिक केंद्र ही नहीं हैं - वे भारत के लिए एक मनोवैज्ञानिक दबाव भी हैं। इस पृष्ठभूमि में, यदि भविष्य में भारतीय नौसेना को प्रत्यक्ष अभियानों में शामिल किया जाता है, तो युद्ध के अलावा अन्य किसी भी दबाव की गुंजाइश काफी कम हो जाएगी, और भारत को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी की उपस्थिति और उसके दांव पर भी विचार करना होगा। ऐतिहासिक रूप से,पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की मुख्य भूमिका नौसेना के युद्धपोतों को हवाई सुरक्षा कवरेज प्रदान करना रही है। तटीय रक्षा सिद्धांत का एक हिस्सा नौसैनिक विमानों द्वारा जहाजों की सुरक्षा करना था, यही कारण है कि 1960 और 70 के दशक के कई पीपुल्स लिबरेशन आर्मी जहाजों में लंबी दूरी की विमान-रोधी मिसाइलों या तोपखाने का अभाव था। दूसरा, दोनों पक्षों द्वारा समानांतर अभ्यास और मिसाइल परीक्षण अलग-अलग अभ्यासों से कहीं अधिक को प्रतिबिंबित कर सकते हैं, जो इस ओर इशारा करते हैं और जानबूझकर किए गए प्रयास तैयारी प्रदर्शित करने और विरोधी के योजना चक्र को जटिल बनाने के लिए न हो। पाकिस्तान ने इस बात पर जोर देने की कोशिश की है कि उसकी नौसेना अब 1971 जैसी कमज़ोर ताकत नहीं रही और वह समुद्री क्षेत्र में भारतीय परिचालन योजना को जटिल बनाने और दबाव को रोकने के लिए तैयारी का संकेत दे रही है। भारत क्षमता के प्रत्यक्ष प्रदर्शन और जोखिम स्वीकार करने के माध्यम से पहल बनाए रखने पर आमादा दिखाई देता है। यह समानता बताती है कि दोनों पक्ष तैयारी का संकेत दे सकते हैं और समुद्र में भविष्य के संघर्ष-टेम्पलेट को आकार देने में सक्रिय रूप से निवेश भी कर सकते हैं। तीसरा, बाहरी आयाम तीक्ष्ण हो रहा है। कराची और ग्वादर बंदरगाहों में चीन की भागीदारी भारत के कथित प्रभुत्व को कम कर रही है और संकट के समय पाकिस्तान को प्लान के समर्थन का खतरा बढ़ा रही है। पाकिस्तान के मदद के लिए तुर्की की उभरती हुई भूमिका, भले ही वह सीमित हो, लेकिन भारत के लिए समुद्र में खतरनाक कदम तुर्की ने अपने युद्ध पोत उतार कर किया था कुछ चैनलों ने यह बताया गया है कि युद्ध पोत की भारतीय तैनाती ने पाकिस्तान को कराची से अपनी सेना हटाने के लिए मजबूर किया है, जिससे प्रभुत्व का प्रदर्शन हुआ है और मनोवैज्ञानिक दबाब भी बढ़ी है, लेकिन यह रणनीति अब काम नहीं कर सकती जो पुरानी हो गई है। साथ ही, हाल ही में हुई खरीद और उच्च-स्तरीय सैन्य उपकरण परमाणु पंडूबी से नौ सेना की ताकत जरूर बढ़ी है लेकिन भविष्य में कहीं तुर्की कहीं खुले तौर पर पाकिस्तान के तरफ से भारत के खिलाफ अपने युद्ध पोत उतार कर एक दुविधा पैदा की है। ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों सेनाएँ पिछले संकटों के निपटने हेतु समुद्री रक्षा पर काम कर रही हैं, जबकि हाइपरसोनिक मिसाइलों से लेकर ड्रोन तक की नई क्षमताएँ आगे बढ़ने की पीढ़ी को बदल रही हैं।जो उस समय भारत के ब्राह्मओस मिसायल ने गजब का कहर ढाया था यदि संकट में निर्णय लेने की प्रक्रिया पुरानी धारणाओं पर ही टिकी रहती है, तो गलत अनुमान लगाने पर युद्ध में जोखिम बढ़ जाता है। वास्तव में, समुद्री क्षेत्र वह स्थान बन रहा है जहाँ भारत को और अधिक जल से हवा में मार करने वाले मिसायल का परीक्षण किया जाए। हालांकि भारत-पाकिस्तान संकट का नौसैनिक तत्व परिधीय रहने की संभावना नहीं है। दोनों पक्ष न केवल अपने समुद्री प्लेटफ़ॉर्म का परीक्षण कर रहे होंगे, बल्कि समुद्र में सीमा-रेखाओं का संकेत भी दे रहे होंगे, जहाँ गलत अनुमान लगाने के कारण देश की वायु क्षेत्र पर सवाल उठाएं गए हैं।

संपादकीय

दहेज का दानव

बेटियों की साक्षरता में वृद्धि और कामकाजी क्षेत्र में लगातार उनकी बढ़ती भूमिका के बावजूद यदि दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में वृद्धि होती है, तो यह शर्मनाक स्थिति ही कही जाएगी। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की वह रिपोर्ट चौंकती है कि साल 2023 के दौरान देश में दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में 14 फीसदी मामले ज्यादा दर्ज किए गए हैं। इस वर्ष के दौरान दहेज के कारण देशभर में 6,100 महिलाओं की मौत दर्ज की गई है। 21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं। लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है और भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है, तो उसके मूल में भी दहेज का अभिशाप ही है। लगातार खर्चीली होती उच्च शिक्षा व्यवस्था में बेटियों की शिक्षा पर बड़ा खर्च करने के बाद यदि मां-बाप को दहेज देना पड़ता है तो यह शर्मनाक स्थिति है। हालांकि, पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद व अन्य कारकों को दहेज का मामला बनाने के कुछ मामले अदालतों की चिंता का भी विषय रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद समाज में दहेज के लिये उत्पीड़न की घटनाएं कटु सत्य है। यह भी एनसीआरबी की रिपोर्ट का यथार्थ है कि देश में हर रोज दहेज के लिये हत्याएं दर्ज हो रही हैं। बेटियों को पढ़ाने तथा सरकारों द्वारा उनके सशक्तीकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद दहेज का दानव यदि अट्टहास कर रहा है तो यह हमारे समाज की असफलता ही कही जाएगी। निस्संदेह, हमारे समाज में सोच में बदलाव लाने की जरूरत है। एक समय नारा लगाया जाता था कि दुल्हन ही दहेज है। इस नारे को हकीकत बनाने की जरूरत है। कहीं न कहीं इस संकट के मूल में पितृसत्तात्मक सोच भी जिम्मेदार है। जिसमें स्त्रियों को वाजिब हक न देकर उन्हें कमतर आंका जाता है। इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि दहेज प्रथा उन्मूलन के लिये सख्त कानून होने के बावजूद इस कुप्रथा पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है। आखिर क्यों दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत मामले लगातार बढ़ रहे हैं। समाज में साक्षरता वृद्धि और जागरूकता अभियानों के बावजूद स्थिति जस की तस है। विडंबना यह है कि दहेज उत्पीड़न के ज्यादातर मामले बड़े हिंदी प्रदेशों में सामने आए हैं। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में और फिर बिहार दूसरे नंबर पर है। ये हजारों मामले समाज में स्त्रियों की विडंबनापूर्ण स्थिति को ही दर्शाते हैं। समाज में उपभोक्तावादी सोच के चलते भी दहेज की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। हमें विचार करना होगा कि समाज में दहेज के संकट की जड़ों पर कैसे प्रहार किया जाए। राष्ट्र का विकास तब तक एकांगी ही रहेगा, जब तक आधी दुनिया को समाज में सम्मानजनक स्थान नहीं मिलता। दहेज के मामलों में न्याय भी शीघ्र देने की आवश्यकता है। आज जरूरत इस बात की है कि बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे समाज में सम्मानजक ढंग से बिना किसी पर निर्भर रहकर जीवनयापन कर सकें।

शांतिप्रिय मध्य प्रदेश में बढ़ता अपराधः एक चिंताजनक स्थिति

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

मध्यप्रदेश को कौशल प्रदेश, शांतिप्रिय प्रदेश कहा जाता है। एमपी के जबलपुर हाईकोर्ट के बाहर एक बड़ा बोर्ड लगा हुआ है जहां लिखा है कौशल प्रदेश, कुशल प्रदेश, शांत प्रदेश। ये थीम एमपी के कानून व्यवस्था की कहानी कहती है, मध्यप्रदेश के प्रमुख महानगरों इंदौर जबलपुर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन, खजुराहो आदि में देश - दुनिया के पर्यटकों का जमावड़ा रहता है, वहीँ एमपी के लोगों को भी शांत प्रवृत्ति का माना जाता है। आज भी हमारे जैसे लोगों का अनुभव कहता है कि देश के अन्य राज्यों की तुलना में एमपी अधिक शांति प्रिय लोगों का प्रदेश है। इंदौर, जबलपुर, भोपाल, ग्वालियर जैसे महानगरों में लोग दिन - रात स्वछंदता से घूम सकते हैं। एमपी में अपराधीकरण, माफियागिरी नहीं है, परंतु कुछ सालो से एमपी में ब्यूरोक्रेसी की बढ़ती तानाशाही, प्रशासन की गैर जिम्मेदारी आम लोगों के लिए चिंता का विषय बन गई है। एमपी में बढ़ता भ्रष्टाचार भी लोगों को डरा रहा है, जब ब्यूरोक्रेट करप्ट हो जाते हैं तो अपराध भी धीरे-धीरे अपने पैर पसार लेता है, जो किसी भी मध्यप्रदेश के निवासी के लिए चिंता का विषय है। जब अपराधीकरण बढ़ने लगता है तो, विकास के रास्ते में अवरोध उत्पन्न होने लगते हैं, ब्यूरोक्रेसी मदमस्त हो जाती है तो आम जनता भ्रस्टाचार, एवं बढ़ते अपराधीकरण के कारण सहम जाती है। बीते कुछ महीनों से एमपी में मर्डर, जैसे केस बढ़ते जा रहे हैं, पन्ना जिले के अजयगढ़ में एक युवती के घर में घुसकर कुछ लोगों ने दुष्कर्म किया और उसके छोटे से बच्चे सहित उसकी हत्या कर दी। इस दुष्कर्म एवं हत्या ने पूरे जिले में सनसनी फैला दी कि एमपी में अपराधियों का बोलबाला हो गया है, अन्यथा अजयगढ़ जैसे शांति प्रिय जगहो पर कभी मर्डर, रेप जैसी घटनाएं सुनने को नहीं मिलती, परंतु अब लोगों में एक खौफ बढ़ रहा है, अहिस्ता, अहिस्ता। अजयगढ़ पन्ना जैसे इलाकों में लोगों के अंदर एक खौफ़ है।

ऐसे ही एक घटना रोंगटे खड़े कर देने वाली है। बीते एक महीने में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में 11 बच्चों की मौत के बाद राज्य में बाल स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठ रहे है। इन बच्चों के परिवार का कहना है कि कफ़ सिरप पीने के बाद बच्चों का स्वास्थ्य तेज़ी से बिगड़ा और उन्हें बचाया नहीं जा सका। मध्य प्रदेश ड्रग कंट्रोल विभाग ने शनिवार सुबह तमिलनाडु में बनने वाली कोल्ड्रिफ़ कफ़ सिरप पर प्रतिबंध लगा दिया था। वहीं शनिवार रात पुलिस ने सरकारी डॉक्टर प्रवीण सोनी, कफ़ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फ़ार्मास्युटिकल्स के संचालकों और अन्य ज़िम्मेदारों के ख़िलाफ़ एफ़आईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई 5 अक्तूबर को परासिया ब्लॉक के चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अंकित सहलाम की शिकायत पर हुई। रिपोर्ट के मुताबिक़, सिरप में 48.6 प्रतिशत डायथिलीन ग्लाइकॉल पाया गया, जो ज़हरीला रसायन है और सेहत के लिए घातक साबित हो सकता है. यह कफ़ सिरप तमिलनाडु स्थित श्रीसन फ़ार्मास्युटिकल कंपनी बनाती है। अब सवाल उठते हैं कि ये सब एमपी में बढ़ क्यों रहा है? क्या प्रशासन को इस बढ़ते अपराध की जानकारी नहीं मिलती।

अभी पिछले दिनों रिपोर्ट जारी हुई है कि बच्चों के लिहाज से एमपी में अपराध बढ़ते जा रहे हैं, जो लोगों में बढ़ते खौफ की कहानी कहते हैं। यहां क्राइम रेट 77.9 फीसदी है। अपराध की ये संख्या साल 2022 में 20415 और साल 2021 में 19173 थी। इस तरह बच्चों की सुरक्षा के नजरिए से मध्य प्रदेश की हालत साल दर साल बदतर होती जा रही है। बच्चों के खिलाफ अपराध के मामले में मध्य प्रदेश देश में सबसे ऊपर है। ह्ष्टक्रक्चके आंकड़ों के मुताबिक, साल 2023 में मध्य प्रदेश के अंदर बच्चों से जुड़े अपराध में 22393 मामले दर्ज किए गए। यहां क्राइम रेट 77.9 फीसदी है। अपराध की ये संख्या साल 2022 में 20415 और साल 2021 में 19173 थी। इस तरह बच्चों की सुरक्षा के नजरिए से मध्य प्रदेश की हालत साल दर साल बदतर होती जा रही है। हत्या, रेप के बाद हत्या, शिशु और भ्रूण हत्या के मामले में मध्य प्रदेश की कहानी बदत्तर होती जा रही है।

मध्य प्रदेश में मां के गर्भ से बच्चे के जन्म तक, रेप के बाद मर्डर से लेकर अन्य मामलों में हत्या के मामले भरे पड़े हैं। राज्य में आज भी मां के गर्भ में बच्चे को खत्म कर दिया जाता है। साल 2023 में भ्रूण हत्या के कुल 87 मामलों में 20 एमपी में दर्ज किए गए। जैसे-तैसे अगर बच्चा जन्म ले लेता है, तो उसकी भी हत्या कर दी जाती है। साल 2023 में शिशु हत्या के कुल 63 मामलों में 12 एमपी में दर्ज किए गए थे। माँ के गर्भ से सुरक्षित बच निकलने के बाद बच्चा जैसे-तैसे अपना जीवन शुरू करता है। मगर कुछ दरिंदे बच्चों के साथ रेप के बाद हत्या और अन्य तरह से हत्या की घटनाओं को अंजाम देकर देश के भविष्य को नष्ट कर देते हैं। साल 2023 में बच्चों की हत्या से जुड़े 1177 मामले सामने आए थे। इनमें से 100 एमपी में दर्ज हुए। रेप के बाद मर्डर के 86 मामलों में 11 एमपी में दर्ज हुए। बच्चों को आत्महत्या के लिए उकसाने वाले 368 मामले में 104 मामले एमपी में दर्ज हुए हैं। अन्य राज्यों से तुलना करें तो दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र और तीसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश का स्थान आता है। एमपी शांति प्रिय लोगों का प्रदेश है, बढ़ते अपराध पर कानून व्यवस्था को लेकर जो प्रश्न उठ रहे हैं, उसको दुरुस्त किए जाने की दरकार है। एमपी सरकार को ध्यान रखना चाहिए कि प्रदेश के लोगों में खौफ स्थापित न हो जाए। प्रदेश में कानून का राज होना चाहिए जिससे शांति भंग न हो।

(लेखक पत्रकार हैं)

कौन है नीतिनिष्ठ व्यक्ति?

सदाचार एक व्यापक और सार्वभौम तत्व है। देशकाल की सीमाएं इसे न तो विभक्त कर सकती हैं और न इसकी मौलिकता को नकार सकती हैं।

जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश सबके लिए होता है, उसी प्रकार सदाचार के मूलभूत तत्व मानव मात्र के लिए उपयोगी होते हैं। कुछ व्यक्ति अपने राष्ट्र, कुल या परंपरागत आचार को विशेष महत्व देते हैं, किंतु यह अपनेपन का व्यामोह है। जो कुछ मैं कर रहा हूं, वह सदाचार है, इस धारणा की अपेक्षा व्यक्ति को ऐसी धारणा सुदृढ़ करनी चाहिए कि जो सत् आचरण है, वह मेरे लिए करणीय है।

सदाचारी व्यक्ति नीतिनिष्ठ होता है। वह किसी भी स्थिति में नीति के अतिप्रमण को अपनी स्वीकृति नहीं दे सकता। नीतिनिष्ठ व्यक्ति को परिभाषित करते हुए कहा गया है- जिस व्यक्ति में अभय, मृदुता, सत्य, सरलता, करुणा, धैर्य, कर्तव्यनिष्ठ और व्यक्तिगत संग्रह का संयम और प्रामाणिकता होती है, वह नीतिमान कहलाता है। जो व्यक्ति सत्य के प्रति समर्पित होता है, अन्याय का प्रतिकार करते समय भयभीत नहीं होता, अपनी भूल ज्ञात होने पर उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं करता और कठिनतम परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार रहता है, वह अभय का साधक होता है।

कोमलता का नाम मृदुता है। यह सामूहिक जीवन की सफलता का सूत्र है। इसके द्वारा व्यक्ति के जीवन में सरसता आती है। मृदु स्वभाव में लोच होती है, इस स्वभाव वाला व्यक्ति किसी भी वातावरण को अपने अनुकूल बना लेता है। सत्य का अर्थ है यथार्थता। जो तथ्य जैसा है उसे वैसा ही जानना, मानना, स्वीकार करना और निभाना सत्य है। सत्य की साधना कठिन अवश्य है, पर है आत्मतोष देने वाली। आर्जव सरलता का पर्यायवाची शब्द है। सरलता सदाचार की आधारभूमि है। इसी उर्वरा में सदाचार की पौध फलती-फूलती है। मायावी व्यक्ति कभी सदाचारी नहीं हो सकता। करुणा सदाचार का मूल है। जिस व्यक्ति के अंत:करण में करुणा नहीं होती, वह अहिंसा के सिद्धांत को समझ नहीं सकता। अहिंसा के बिना समता का विकास नहीं होता।

विचार मंथन

संविधान बनाम सत्ता- जब सुप्रीम कोर्ट भी निशाने पर हो

(लेखक- सनत जैन)

दोस्तों, यह भारत के लोकतंत्र का सबसे दर्दनाक दृश्य है। जब देश के सर्वोच्च न्यायालय के भीतर भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) पर किसी वकील द्वारा जूता उछाल दिया जाता है। यह तस्वीर सिर्फ एक अदालत का घोर अपमान या हमला नहीं, बल्कि संविधान पर सीधा प्रहार करती है। यह घटना हमारे उस भारत की आत्मा को झकझोर कर रख देती है जिसकी वैश्विक पहचान उसके संविधान से है। यह वही संविधान है, जो आम नागरिकों को समान अधिकार देता है, और यह वही संविधान है जो देश की तमाम शक्तियों के साथ ही सत्ता को सीमाओं में बांधता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के अंदर हुई इस अकल्पनीय घटना ने अब सवाल खड़े कर दिए हैं, कि क्या संविधान की मर्यादा बची रह गई है? गौर करें कि भारत में सत्ता और संविधान के बीच का संघर्ष कोई नया नहीं है, लेकिन जिस तरह आज संवैधानिक संस्थाएं एक-एक करके ढहती जा रही हैं, यह लोकतंत्र के लिए भयावह संकेत है। न्यायपालिका, जो अब तक विश्वास का आखिरी स्तंभ मानी जाती थी, उसी के भीतर असहिष्णुता और नफरत की राजनीति का प्रवेश हो जाना हमारी सामाजिक चेतना के पतन की निशानी है। घटना के प्रमुख पात्र बने वकील राकेश किशोर का यह कृत्य कोई एक व्यक्ति का आवेश नहीं था, बल्कि उस विषाक्त माहौल की उपज है जिसे पिछले कुछ वर्षों में सत्ता की सुविधा से पाला-पोसा गया। जब न्यायपालिका के फैसलों को धर्म, जाति या सत्ता के चश्मे से देखा जाने लगे, जब जजों की टिप्पणियां राजनीतिक बहस का हिस्सा बन जाएं, तब यह समझ लेना चाहिए कि लोकतंत्र खतरे में है। एक अहम मामले की सुनवाई कर रहे मुख्य न्यायाधीश बी.आर.गवई ने जब कहा, कि मैं डरता नहीं हूं, कार्यवाही चलती रहनी चाहिए, तो यह सिर्फ एक व्यक्ति का साहस नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा की पुकार थी। तब भी सवाल तो यही है कि क्या अब देश के भीतर संविधान की व्याख्या सत्ता के हिसाब से की जा रही है? क्या संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता सिर्फ औपचारिकता बन कर रह गई है? इस दृष्य की निंदा के साथ ही देश में न्यायपालिका के प्रति विश्वास बनाए रखना और लोगों को न्याय देने की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। पिछले 75 वर्षों में भारत की न्यायपालिका ने लोगों के बीच अपनी जो साख बनाई थी, अब वो परिस्थितियां बदल गईं हैं और वर्तमान चुनौतीपूर्ण नजर आने लगा है। यह सच है कि अदालतों में निष्पक्षता और संवेदनशील मुद्दों पर संतुलित दृष्टिकोण बनाए रखना अति-आवश्यक है। न्यायपालिका को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी राजनीतिक या सामाजिक दबाव के चलते किसी भी तरह के फैसले प्रभावित न हों और संविधान और कानून के अनुसार निर्णय लिया जाए। इस घटना ने यह भी दिखाया कि न्यायपालिका का मौन और निष्पक्षता पर ध्यान न देने की स्थिति समाज में विद्रोह और असंतोष पैदा कर सकती है। ऐसे समय में न्यायपालिका को अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाने और न्याय की देवी के दृष्टिकोण से निष्पक्षता बनाए रखने की आवश्यकता है। कोर्ट में फैसले सुनाना न्यायाधीशों का काम है, लेकिन सुनना और तर्कों का मूल्यांकन करना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। यह घटना देश की न्यायपालिका के लिए एक गंभीर चेतावनी और सुधार का अवसर भी है। आज ज़रूरत है आत्ममंथन की, कि क्या हम वाकई उस भारत में रह रहे हैं जो बाबा साहेब अंबेडकर और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सपनों में था? या फिर हम उस दिशा में बढ़ चुके हैं जहां व्यक्तिगत सोच, धार्मिक आस्था और राजनीतिक हित संविधान से ऊपर हो गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट पर जूता उछाले जाने की घटना चेतावनी है कि अगर संविधान की गरिमा की रक्षा अभी नहीं हुई, तो आने वाली पीढ़ियां न्याय की इस पवित्र संस्था को इतिहास की किताबों में खोजती रह जाएंगी। लोकतंत्र तभी जीवित रहेगा जब हम संविधान के शब्दों में नहीं, उसकी भावना में विश्वास रखें।

इस सप्ताह बाजार में आएंगे 30 हजार करोड़ के आईपीओ

टाटा की इस कंपनी पर सबसे ज्यादा नजरें

नई दिल्ली इस सप्ताह के पांच कारोबारी सत्र में 7 कंपनियों के आईपीओ बाजार में आएंगे। इन कंपनियों में टाटा समूह की फाइनेंस कंपनी टाटा कैपिटल भी शामिल है, जो कुल आईपीओ की कीमत का लगभग 50 फीसदी अकेले जुटाने की तैयारी कर रही है। इस दौरान करीब 30 हजार करोड़ रुपये बाजार से जुटाए जाएंगे। वैसे तो पिछले दो सप्ताह के मुकाबले इस हफ्ते आईपीओ की संख्या कम ही रहेगी, लेकिन मूल्य के लिहाज से यह ज्यादा है। गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी टाटा कैपिटल आईपीओ के जरिये बाजार से 15,512 करोड़ रुपये जुटाने वाली है। यह साल 2025 का सबसे बड़ा आईपीओ भी होगा. इससे ठीक एक साल पहले अक्टूबर, 2024 में भी एक सप्ताह में सबसे ज्यादा कीमत वाले आईपीओ उतारे गए थे। तब दक्षिण कोरियाई कार निर्माता कंपनी ह्यूंडई ने 27,859 करोड़ रुपये बाजार से आईपीओ के जरिये जुटाए थे।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर सितंबर में मासिक आधार पर घटी

नई दिल्ली देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर नए ऑर्डर एवं गतिविधियों की धीमी गति के कारण सितंबर में अगस्त के उच्च स्तर से नीचे आ गई। सोमवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक सितंबर में 60.9 पर आ गया जो अगस्त में 15 साल के उच्च स्तर 62.9 पर पहुंच गया था। इस नरमी के बावजूद सितंबद माह का सेवा पीएमआई सूचकांक 50.0 के तटस्थ स्तर से काफी ऊपर रहा जो उत्पादन में एक और महत्वपूर्ण वृद्धि का संकेत देता है। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि देश के सेवा क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियां अगस्त के हालिया उच्च स्तर से सितंबर में कम हुईं। सर्वेक्षण के अनुसार मंदी का एक कारण भारतीय सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में नरम सुधार भी है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र की जुलाई-सितंबर तिमाही में ऋण वृद्धि 16.8 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 16.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2.54 लाख करोड़ रुपये की ऋण वृद्धि दर्ज की है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि 30 सितंबर 2024 तक कुल अग्रिम 2.17 लाख करोड़ रुपये था।पुणे स्थित इस बैंक ने बताया कि उसकी कुल जमा राशि 12.1 प्रतिशत बढ़कर 3.09 लाख करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही के अंत में यह 2.76 लाख करोड़ रुपये थी।बैंक का कुल कारोबार 14.2 प्रतिशत बढ़कर 5.64 लाख करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले इसी अवधि में 4.94 लाख करोड़ रुपये था।बीओएम का चालू खाता एवं बचत खाता में कुल जमा का 50.35 प्रतिशत रहा, जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही के अंत में यह 49.29 प्रतिशत था। तंबर 2025 के अंत तक बैंक का ऋण जमा अनुपात 71.7 प्रतिशत से बढ़कर 82 प्रतिशत हो गया।

त्योहारी सीजन में सस्ती होगी हवाई यात्रा

मुंबई त्योहारी सीजन में हवाई किराए में भारी बढ़ोतरी आम बात है, लेकिन इस बार यात्रियों को राहत मिलने की संभावना है। दीपावली और छठ जैसे बड़े पर्वों के दौरान यात्रा की मांग काफी बढ़ जाती है, जिससे टिकटों की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। हालांकि, इस बार नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन कंपनियों के साथ बैठक कर यह तय किया है कि प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त उड़ानें चलाई जाएंगी। इसका मकसद यात्रियों को सामान्य दरों पर टिकट उपलब्ध कराना है और अनावश्यक किराया बढ़ोतरी को रोकना है। डीजीसीए ने कहा है कि अक्टूबर से दिसंबर के बीच उड़ानों और किराए पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

इलेक्ट्रॉनिक्स योजना में घरेलू कंप नियों का दिखा दम, 90 फीसदी आवेदन आए

अंबर दो परियोजनाओं में लगभग 4,200 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवाएं (ईएमएस) देने वाली स्वदेशी कंपनियां केंद्र सरकार की लगभग 22,805 करोड़ की इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा विनिर्माण योजना के तहत प्रमुख आवेदक के रूप में उभरी हैं। इन कंपनियों में डिक्सन टेक्नॉलजीज (इंडिया), दिल्ली की अंबर एंटरप्राइजेज, बेंगलूरु की एक्रस, वाहन कलपुर्जा फर्म संवर्धन मदरसन, मैसूरु की केन्स टेक्नोलॉजी इंडिया और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार लगभग 90 फीसदी आवेदन भारतीय कंपनियों से आए हैं जो उनकी आक्रामक निवेश योजनाओं को दर्शाते हैं। अंबर ने योजना के तहत प्रोत्साहन के लिए योग्य दो परियोजनाओं में लगभग 4,200 करोड़ रुपये का निवेश करने के प्रस्ताव किया है। वह उत्तर प्रदेश के जेवर में हाई-डेंसिटी इंटरकनेक्ट सेमीकंडक्टर सब्सट्रेट यूनिट लगाएगी जिसका उपयोग मोबाइल उपकरणों, वाहन इलेक्ट्रॉनिक्स और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में किया जाता है। इसी तरह डिक्सन ने लगभग 4,000 करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ पांच सेगमेंट में आवेदन किए हैं। वह चीन की फर्म एचकेसी ओवरसीज की साझेदारी में लगभग 2,000 करोड़ रुपये का डिस्प्ले मॉड्यूल सब-असेंबली प्लांट लगा रही है।

मैकेनिक्स (एनक्लोजर) में डिक्सन करीब 500 करोड़ रुपये निवेश करेगी और इसके लिए उसने चोंगकिंग युहाई प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग के साथ समझौता किया है जिसकी 26 फीसदी हिस्सेदारी होगी।

केनरा रोबेको एएमसी का आईपीओ नौ अक्टूबर को खुलेगा

नई दिल्ली केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 253-266 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इससे कंपनी का ऊपरी छोर पर मूल्यांकन करीब 5,300 करोड़ रुपये आंका गया है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि 1,326 करोड़ रुपये का आईपीओ नौ अक्टूबर को खुलेगा और 13 अक्टूबर को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक आठ अक्टूबर को बोली लगा पाएंगे। बिक्री पेशकश के तहत प्रवर्तक केनरा बैंक और ओरिक्स कॉर्पोरेशन यूरोप एनवी (जिसे पहले रोबेको ग्रुप एनवी के नाम से जाना जाता था) क्रमशः 2.59 करोड़ शेयर तथा 2.39 करोड़ शेयर बेचेंगे। यह आईपीओ पूर्णतः 4.98 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है जिसमें कोई नया निर्गम घटक नहीं है। केनरा रोबेको में केनरा बैंक की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि शेष हिस्सेदारी ओरिक्स कॉर्पोरेशन के पास है।

अगले दशक में पर्यटन क्षेत्र से मिलेंगी 9 करोड़ नौकरियां: रिपोर्ट

एक साल से बढ़ रही डिमांड, 4.3 करोड़ लोगों की अभी से जरूरत

नई दिल्ली दुनिया की 20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के लिए रोजगार के क्षेत्र में एक अच्छी खबर सामने आई है। विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार अगले दस वर्षों में पर्यटन और यात्रा उद्योग से 9.1 करोड़ नई नौकरियां उत्पन्न होंगी। यह वैश्विक स्तर पर सृजित होने वाली प्रत्येक तीन नई नौकरियों में से एक के बराबर होगी। फ्यूचर ऑफ द ट्रैवल एंड टूरिज्म वर्कफोर्स नामक इस रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि यदि जनसांख्यिकीय बदलावों और कौशल विकास पर ध्यान नहीं दिया गया, तो 2035 तक इस क्षेत्र में 4.3 करोड़ कर्मचारियों की कमी हो सकती है। साल 2024 में इस क्षेत्र की मांग पहले से कहीं अधिक रही। यात्रा और पर्यटन उद्योग का वैश्विक जीडीपी में योगदान 8.5 फीसदी बढ़कर 10,900 अरब डॉलर तक पहुंच गया। साथ ही इस साल 2.07 करोड़ नई नौकरियां भी उत्पन्न हुईं, जिससे इस क्षेत्र में वैश्विक रोजगार की संख्या 35.7 करोड़ हो गई है। भारत के लिए यह एक सुनहरा अवसर है, क्योंकि देश में युवा आबादी बड़ी संख्या में मौजूद है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 582 अंक, निफ्टी 183 अंक ऊपर आया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग और आईटी शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 582.95 अंक बढ़कर 81,790.12 और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 183.40 अंक ऊपर आकर 25,077.65 पर बंद हुआ। निफ्टी आईटी 2.28 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.08 फीसदी, निफ्टी सर्विसेज 1.15 फीसदी और निफ्टी हेल्थकेयर 1.29 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर निफ्टी मेटल 0.89 फीसदी, निफ्टी मीडिया 0.90 फीसदी और निफ्टी पीएसई 0.08 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में टीसीएस, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, , इन्फोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक, मारुति सुजुकी, सन फार्मा,एचडीएफसी बैंक और एसबीआई टॉप गेनर्स थे। टाटा स्टील, पावर ग्रिड, टाइटन, ट्रेंट, आईटीसी, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स और एशियन पेंट्स के शेयर सबसे अधिक नीचे आये। आज अधिकतर सूचकांकों में तेजी रही। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी खरीदारी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 511.75 अंक की तेजी रही। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 49.90 अंक ऊपर आकर 17,928.05 पर था।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार मामूली बढ़त के साथ खुले। आईसीआईसीआई और एचडीएफसी समेत अन्य प्राइवेट बैंकिंग शेयरों में खरीदारी से बाजार को सहयोग मिला। सेंसेक्स हल्की बढ़त के साथ 81,274.79 अंक पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी बढ़त के साथ 24,900 के पार खुला। वहीं वैश्विक स्तर पर जापान का निक्केई 4 फीसदी से अधिक बढ़कर एक रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच गया। चीन और दक्षिण कोरिया के बाजार छुट्टियों के कारण बंद थे। अमेरिकी बाजारों में शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट मिलेजुले रूख के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 में 0.01फीसदी की बढ़ोतरी हुई, डाउ जोन्स 0.51 फीसदी बढ़ा, जबकि नैस्डैक 0.28 फीसदी नीचे आया

सोना- चांदी के बाद बिटकॉइन करेंसी 32 फीसदी उछली

एसकेएफ अपने इंडस्ट्रियल बिजनेस को अलग कंपनी के रूप में स्थापित करेगी

15 अक्टूबर तय हुई रिकॉर्ड डेट, ऑटो कंपनी के शेयरधारकों को मिलेगा नया मौका

नई दिल्ली

ऑटो कंपोनेंट्स बनाने वाली प्रमुख कंपनी एसकेएफ इंडिया ने अपने इंडस्ट्रियल बिजनेस को अलग कंपनी के रूप में स्थापित करने की घोषणा की है। यह डिमर्जर प्रक्रिया 1 अक्टूबर 2025 से प्रभावी हो चुकी है। अब इंडस्ट्रियल बिजनेस एक नई इकाई के रूप में एसकेएफ इंडिया इंडस्ट्रीयल` लिमिटेड के नाम से काम करेगा। कंपनी ने इसकी जानकारी रेगुलेटरी फाइलिंग के जरिए दी है। एसकेएफ इंडिया ने 2 अक्टूबर को एक अलग फाइलिंग में बताया कि डिमर्जर के लिए रिकॉर्ड डेट 15 अक्टूबर तय की गई है। इस तारीख को जिन शेयरधारकों के पास एसकेएफ इंडिया के शेयर होंगे, उन्हें उसी अनुपात में नई कंपनी के शेयर मिलेंगे। डिमर्जर स्कीम के अनुसार प्रत्येक 1 एसकेएफ इंडिया शेयर पर 1 एसकेएफ इंडिया इंडस्ट्रियल शेयर अलॉट किया जाएगा। नई कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट किए जाएंगे। हालांकि, लिस्टिंग की सटीक तारीख की घोषणा रिकॉर्ड डेट के बाद की जाएगी, लेकिन संभावना है कि यह नवंबर 2025 तक हो जाएगी। डिमर्जर के बाद एसकेएफ इंडिया केवल

ऑटोमोटिव बिजनेस पर ध्यान केंद्रित करेगी, जबकि नई कंपनी इंडस्ट्रियल सेगमेंट जैसे कि मैन्युफैक्चरिंग, रेलवे, रिन्यूएबल एनर्जी, माइनिंग, सीमेंट और मेटल्स में काम करेगी।

ओएनजीसी आंध्र प्रदेश में 8,110 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

हैदराबाद तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ओएनजीसी) आंध्र प्रदेश में आठ पीएमएल (उत्पादन खनन लाइसेंस) ब्लॉक में 172 कुओं से तेल एवं गैस के निकालने तथा तटवर्ती विकास के लिए 8,110 करोड़ रुपये का निवेश करने पर विचार कर रही है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत एक समिति ने पिछले महीने आयोजित बैठक में परियोजना के लिए पर्यावरणीय संबंधी मंजूरी देने की सिफारिश की थी। विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने बैठक के में कहा कि परियोजना की अनुमानित लागत 8110 करोड़ रुपये है। ईएमपी (पर्यावरण प्रबंधन योजना) की पूंजीगत लागत 172 करोड़ रुपये होगी और ईएमपी की आवर्ती लागत 91.16 करोड़ रुपये प्रति वर्ष होगी। उद्योग ने जन सुनवाई में की गई प्रतिबद्धताओं के लिए 11 करोड़ रुपये आवंटित करने का प्रस्ताव रखा है। पर्यावरण मंजूरी की सिफारिश करते हुए समिति ने ओएनजीसी को निर्देश दिया कि वह मंत्रालय को प्रस्तुत दस्तावेजों में प्रस्तावित सभी पर्यावरण संरक्षण उपायों एवं सुरक्षा उपायों का अनुपालन करे।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने लॉन्च किया नया कॉन्ग्लोमरेट फंड

240 कंपनियों में एक साथ निवेश का मौका 17 अक्टूबर तक खुला रहेगा एनएफओ

नई दिल्ली

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने निवेशकों के लिए एक नई पेशकश की है। कंपनी ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल कॉन्ग्लोमरेट फंड नाम से एक नया ओपन-एंडेड इक्विटी थीमैटिक फंड लॉन्च किया है। इस फंड का एनएफओ 17 अक्टूबर 2025 तक खुला रहेगा। यह फंड भारत के उन प्रमोटर-नेतृत्व वाले समूहों (कॉन्ग्लोमरेट्स) में निवेश करेगा, जिनके पास कम से कम दो सूचीबद्ध कंपनियां हैं और जो अलग-अलग क्षेत्रों या उद्योगों में सक्रिय हैं। ऐसे समूह आमतौर पर वित्तीय रूप से मजबूत, कम पूंजी लागत वाले और नई तकनीकों व क्षेत्रों में विस्तार करने में सक्षम होते हैं। फंड के तहत करीब 71 बड़े कारोबारी समूहों को कवर किया जाएगा, जिनकी लगभग 240 कंपनियां विभिन्न सेक्टरों में कार्यरत हैं। यह योजना लार्ज, मिड और स्मॉल कैप सभी तरह की कंपनियों में निवेश का विकल्प देती है, जिससे पोर्टफोलियो में विविधता और संतुलन बना रहता है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी के एक वरिष्ठ अधिकारी कहा कि भारत के बड़े कारोबारी समूहों ने समय के साथ खुद को ढालते हुए टेलीकॉम, रिटेल और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। यह फंड उन अवसरों में भागीदारी का एक मजबूत माध्यम बन सकता है।

सोने के भाव 1,19,200 प्र ति 10 ग्राम, चांदी 1,47,200 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली

घरेलू बाजार में सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने और चांदी की शुरुआत तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव सार्वजे निक स्तर पर पहुंच गए। घरेलू बाजार में सोमवार को सोने के भाव 1,19,200 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,47,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 787 रुपये की तेजी के साथ 1,18,900 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,18,113 रुपये था।

इस समय यह 1,108 रुपये की तेजी के साथ 1,19,221 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने आज 1,19,426 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 883 रुपये की तेजी के साथ 1,46,627 रुपये पर खुला।

पिछला बंद भाव 1,45,744 रुपये था। इस समय यह 1,456 रुपये की तेजी के साथ 1,47,200 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई और दोनों के भाव उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। कॉमेक्स पर सोना 3,913.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

पिछला बंद भाव 3,908.90 डॉलर प्रति औंस था। यह 37.80 डॉलर की तेजी के साथ 3,946.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव 3,951.40 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 48.06 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 47.96 डॉलर था। यह 30 डॉलर की तेजी के साथ 48.26 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

पॉपुलर 3-डोर थार अब नए अवतार में पेश

नई दिल्ली

भारतीय ग्राहकों के लिए महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी पॉपुलर 3-डोर थार को नए अवतार में पेश कर दिया है। महिंद्रा ने इस अपडेटेड एसयूवी को 9.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया है। बाहर से इसे नया टू-टोन ग्रिल, डुअल-टोन बंपर और अपडेटेड फ्रंट डिजाइन मिला है। इसके अलावा लाइटिंग सिस्टम और 18-इंच अलॉय व्हील्स पहले जैसे ही हैं। ग्राहकों के लिए छह कलर ऑप्शन उपलब्ध हैं, जिनमें टैंगो रेड और बैटलशिप ग्रे नए आकर्षक विकल्प हैं। इंटीरियर की बात करें तो नई थार में ऑल-ब्लैक डैशबोर्ड, नया स्टीयरिंग व्हील और रियर एसी वेंट जैसी सुविधाएं जोड़ी गई हैं। ड्राइवर के लिए स्लाइडिंग आर्मरेस्ट और ऑटोमैटिक वर्जन में डेड पेडल शामिल किया गया है। पावर विंडो स्विच अब डोर पैड पर शिफ्ट कर दिए गए हैं। रियर कैमरा, रियर वॉश और वाइपर, इंटरनली ऑपरेटेड फ्यूल लिड जैसी सुविधाएं भी अब नई थार का हिस्सा हैं। सबसे बड़ा अपडेट 26.03 सेमी का एचडी टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम है, जिसमें एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले सपोर्ट के साथ टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट्स, टायर डायरेक्शन मॉनिटरिंग और एडवेंचर स्टाट जेन-2 जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

इंजन विकल्पों में 2.0एल एमस्टालियन टर्बो पेट्रोल (150एचपी), 2.2 एल एमहॉक डीजल (130एचपी) और डी117 सीआरडीई डीजल (117एचपी) शामिल हैं। गाड़ी 6-स्पीड मैनुअल और ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ उपलब्ध है और आरडब्ल्यूडी व 4गुणा4 दोनों ड्राइवट्रेन विकल्प दिए गए हैं। एलएक्सटी वैरिएंट में अलॉय व्हील्स, क्रूज़ कंट्रोल, एडवेंचर स्टैट्स, रियर कैमरा और 6 स्पीकर वाला बड़ा इंफोटेनमेंट सिस्टम शामिल हैं। नई थार को एएक्सटी और एलएक्सटी ट्रिम्स में पेश किया गया है। बेस एएक्सटी में डुअल एयरबैग्स, ईएसपी, हिल-होल्ड असिस्ट, एबीएस और नया डैशबोर्ड डिज़ाइन मिलेगा।

छह महीने में बिके 11 लाख इलेक्ट्रिक वाहन

नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही (अप्रैल से सितंबर 2025) में ही 11 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन बिक चुके हैं। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब 23 प्रतिशत ज्यादा है। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की मांग लगातार बढ़ रही है और यह नया इतिहास रच रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यदि यह रफ्तार बरकरार रही, तो इस साल 20 लाख से अधिक ईवी की बिक्री दर्ज हो सकती है, जो पिछले साल की 19.7 लाख यूनिट्स के रिकॉर्ड से भी आगे होगा।

हालांकि, हाल ही में हुए जीएसटी संशोधनों ने ईवी बाजार की रफ्तार पर कुछ असर डाला है। इलेक्ट्रिक वाहनों पर टैक्स जहां सिर्फ 5 प्रतिशत है, वहीं पेट्रोल और हाइब्रिड गाड़ियों पर जीएसटी घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। पहले इनके बीच 23 प्रतिशत का अंतर था, जो अब घटकर केवल 13 प्रतिशत रह गया है। यही कारण है कि इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री पर दबाव दिखा है। अगस्त 2025 में जहां 18,290 यूनिट कारें बिकी थीं, वहीं सितंबर में यह घटकर 15,100 यूनिट रह गईं। इसके विपरीत, दोपहिया और तीनपहिया ईवी की मांग स्थिर बनी हुई है।

सितंबर में 1.04 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया और 61,000 तीनपहिया गाड़ियां बिकीं। यह अगस्त की तुलना में मामूली अंतर है, जो बताता है कि इस श्रेणी के उपभोक्ता कीमतों के उतार-चढ़ाव से अधिक प्रभावित नहीं होते। विशेषज्ञों का मानना है कि इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट के खरीदार कीमत के प्रति संवेदनशील होते हैं, इसलिए टैक्स सुधारों का असर सबसे पहले यहीं दिखाई दिया।

लेकिन टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर ईवी का बाजार मजबूती से आगे बढ़ रहा है और यह ट्रेंड आने वाले वर्षों में भी जारी रहने की संभावना है। त्योहारी सीजन भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में जबरदस्त रौनक लेकर आया है और इसका सबसे बड़ा फायदा मारुति सुजुकी को मिल रहा है। कंपनी ने बताया कि इस बार नवरात्रा उसके लिए पिछले 10 सालों का सबसे शानदार सीजन रहा।

शुरुआती आठ दिनों में ही मारुति ने 1.65 लाख से अधिक गाड़ियों की डिलीवरी की, जो अब तक का रिकॉर्ड है। इतनी अधिक डिमांड को पूरा करने के लिए कंपनी ने बड़ा फैसला लिया है। अब फैक्ट्रियां संडे और छुट्टियों में भी चलेंगी ताकि ग्राहकों को समय पर डिलीवरी दी जा सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रोहित के बाद अब सूर्या के कप्तानी पर भी आ सकता है संकट? इस दिग्गज ने की बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने एक बड़ा फैसला लेते हुए 26 वर्षीय शुभमन गिल को वनडे टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। गिल को रोहित शर्मा की जगह वनडे कप्तानी सौंपी गई है, जिसने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने इस फैसले को 'मास्टरस्ट्रोक' करार देते हुए गिल को एक 'नैचुरल लीडर' बताया है, जो जिम्मेदारी मिलने पर अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को सामने लाते हैं। गिल की पहली चुनौती 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज होगी।

BCCI का बड़ा फैसला: रोहित से छिनी कप्तानी

BCCI के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने इस बदलाव की जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने खुद रोहित शर्मा को सूचित किया कि बोर्ड ने उन्हें वनडे कप्तानी से मुक्त करने का निर्णय लिया है। अगरकर ने कहा, 'हमने रोहित से बात की और उन्हें बताया कि शुभमन गिल को उनका उत्तराधिकारी बनाया गया है। यह फैसला भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया है।' गिल अब 2027 विश्व कप की तैयारियों के लिए भारतीय वनडे टीम का नेतृत्व करेंगे।

मोंटी पनेसर ने की तारीफ

मोंटी पनेसर ने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए इस फैसले की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'यह एक शानदार निर्णय है। गिल ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। रोहित शर्मा की मौजूदगी में उन्हें कप्तान बनाना समझदारी भरा कदम है, क्योंकि रोहित उन्हें मार्गदर्शन दे सकते हैं। हमने इंग्लैंड में देखा है कि गिल एक नैचुरल लीडर हैं।'

पनेसर ने आगे कहा, 'जब आप गिल को जिम्मेदारी देते हैं, तो उनका सर्वश्रेष्ठ रूप सामने आता है। मुझे यकीन है कि इस वनडे सीरीज में हम उनका बेहतरीन प्रदर्शन देखेंगे। यह मेरे लिए आश्चर्य की बात नहीं होगी अगर भविष्य में उन्हें टी20आई कप्तानी भी सौंपी जाए, क्योंकि वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो जिम्मेदारी मिलने पर और निखरते हैं।'

गिल का फोकस: 2027 विश्व कप

शुभमन गिल ने कप्तानी मिलने पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, ÷मेरे लिए यह एक बड़ा सम्मान है। मेरा पूरा ध्यान भविष्य और 2027 विश्व कप पर है। हम अगले कुछ सालों में लगभग 20 वनडे मैच खेलेंगे, और हमारा लक्ष्य एक मजबूत और संतुलित टीम तैयार करना है।÷ गिल ने यह भी बताया कि वह रोहित शर्मा और अन्य सीनियर खिलाड़ियों के अनुभव का लाभ उठाएंगे।

क्रिकेट जगत में मिली-जुली प्रतिक्रियाएं

गिल को कप्तान बनाए जाने के फैसले ने क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के बीच मिली-जुली प्रतिक्रियाएं पैदा की हैं। जहां कुछ फैन्स और पूर्व खिलाड़ी इस बदलाव से हैरान हैं, वहीं कई लोग इसे भविष्य की रणनीति का हिस्सा मान रहे हैं। गिल की युवा ऊर्जा और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता को देखते हुए यह फैसला भारत के लिए नई दिशा तय कर सकता है।

गिल का रिकॉर्ड

26 साल के शुभमन गिल ने अब तक 44 वनडे मैचों में 2271 रन बनाए हैं, जिसमें 6 शतक और 13 अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 61.37 और स्ट्राइक रेट 103.46 है, जो उनकी निरंतरता और आक्रामकता को दर्शाता है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज में गिल की कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों पर सभी की नजरें रहेंगी।

क्या गिल इस नई जिम्मेदारी के साथ भारतीय वनडे क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे? इसके लिए प्रशंसकों को 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली सीरीज का इंतजार है। अधिक अपडेट्स के लिए बने रहें।

टेनिस प्रीमियर लीग: बोपन्ना, डार्डेरी और मौटेट टीपीए के सातवें सत्र में पेश करेंगे चुनौती

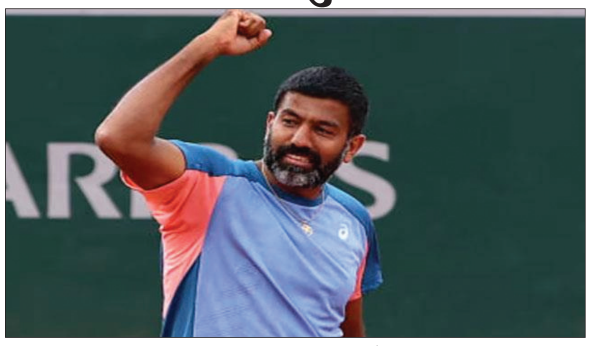

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और विश्व के 29वें नंबर के खिलाड़ी लुसियानो डार्डेरी सहित शीर्ष-50 रैंकिंग में शामिल कम से कम तीन एकल खिलाड़ी नौ दिसंबर से अहमदाबाद में शुरू हो रही टेनिस प्रीमियर लीग (TPL) के सातवें सत्र में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

विश्व के 38वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट और उनके हमवतन विश्व के 39वें नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर मुलर इस लीग में भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ शामिल होंगे जिसकी नीलामी नौ अक्टूबर को मुंबई में होगी। दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन बोपन्ना ने पिछले साल टीपीएल में पदार्पण किया था। वह एसजी पाइपर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व करेंगे। इटली के डार्डेरी राजस्थान रेंजर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे जबकि मौटेट गुड़गांव ग्रैंड स्लैमर्स के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। मुलर और आर्थर रिंडरकनेच (विश्व के 54वें नंबर के खिलाड़ी) क्रमशः गुजरात पैंथर्स और हैदराबाद स्ट्राइकर्स की टीम को मजबूत करेंगे। लीग में बोस्निया एवं हर्जेगोविना के दामिर जुम्हुर (पूर्व विश्व नंबर 23, वर्तमान नंबर 67) यश मुंबई ईगल्स और अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी (विश्व नंबर 58) जीएस दिल्ली एसेस का प्रतिनिधित्व करेंगे। चेक गणराज्य के उभरते खिलाड़ी डालिबोर स्वर्सिना (विश्व नंबर 91) चेन्नई स्मैशर्स की टीम का हिस्सा है। टीपीएल के सह-संस्थापक कुणाल ठाकुर ने कहा, 'इस क्षमता वाले खिलाड़ियों को लीग के साथ जोड़ना प्रतिस्पर्धा के स्तर को ही नहीं बढ़ायेगा बल्कि भारतीय टेनिस खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को भी प्रेरित करेगा।'

लंका प्रीमियर लीग में हिस्सा लेंगे भारतीय खिलाड़ी, जल्द होगी नामों की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंका प्रीमियर लीग (LPL) के आयोजकों ने सोमवार को घोषणा की कि भारतीय क्रिकेटर पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे जिसका छठा सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा। इस टी20 टूर्नामेंट में कुल 24 मैच होंगे जिसमें 20 लीग मैच और चार नॉकआउट मैच शामिल हैं। ये मैच तीन प्रमुख स्थलों कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी के पाल्लेकल अंतररराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और दांबुला के रनगीरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'पहली बार भारतीय क्रिकेटरों के इस टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद है। उनके नामों की घोषणा जल्द ही की जाएगी जिससे पूरे क्षेत्र के प्रशंसकों में उत्साह का एक नया स्तर जुड़ जाएगा।' इस प्रारूप के अनुसार लीग चरण के दौरान सभी पांच फ्रेंचाइजी एक-दूसरे के खिलाफ दो बार प्रतिस्पर्धा करेंगी। राउंड रोबिन चरण के अंत में शीर्ष चार में रहने वाली टीम प्लेऑफ में जगह बनाएंगी।

शीर्ष दो टीम क्वालीफायर एक में खेलेंगी जिसका विजेता सीधे फाइनल में जगह बनाएगा। तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम एलिमिनेटर में आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले का विजेता क्वालीफायर एक में हारने वाली टीम से क्वालीफायर दो में भिड़ेगा जिससे फाइनल में जगह बनाने वाली दूसरी टीम का फैसला होगा।

गावस्कर ने वनडे कप्तानी में बदलाव पर दी बड़ी प्रतिक्रिया, आने वाली खबरें और भी बुरी हो सकती हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वनडे टीम में बड़ा बदलाव हो चुका है। रोहित शर्मा से कप्तानी की कमान अब शुभमन गिल को सौंप दी गई है, जिससे रोहित के वनडे नेतृत्व का दौर खत्म हो गया। चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने इस फैसले की पुष्टि की, जिसके बाद क्रिकेट जगत में चर्चा तेज़ हो गई। हालांकि, टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर ने इस बदलाव को 'आवश्यक कदम' बताया और कहा कि रोहित शर्मा खुद भी इस फैसले से सहमत हैं।

'2027 विश्व कप की तैयारी का हिस्सा है यह बदलाव'

गावस्कर ने कहा कि यह फैसला भारत की 2027 वनडे विश्व कप की तैयारी को ध्यान में रखकर लिया गया है। 'अगर हम अगले दो सालों का अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर देखें, तो भारत बहुत कम वनडे खेलेगा। ऐसे में, केवल वनडे खेलने वाले खिलाड़ी के लिए मैच फिट रहना मुश्किल है,' गावस्कर ने स्पोर्ट्स तक से बातचीत में कहा।

'रोहित भी समझते हैं टीम की प्राथमिकता'

गावस्कर के अनुसार, रोहित शर्मा व्यक्तिगत तौर पर इस फैसले से नाराज़ नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'टीम पहले आती है। रोहित ने देश के लिए बहुत कुछ किया है, चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप जिताया। लेकिन अगर हमें दो साल आगे सोचना है, तो एक युवा कप्तान को तैयार करना ही समझदारी है, और रोहित इस बात से पूरी तरह सहमत हैं।'

'आने वाले महीनों में और बुरी खबरें आ सकती हैं'

गावस्कर ने आगे कहा कि यह बदलाव भारतीय टीम प्रबंधन की 'नई दिशा' की शुरुआत है और भविष्य में और बड़े निर्णय लिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर कोई खिलाड़ी यह तय नहीं कर पा रहा कि वह अगले दो साल तक वनडे खेलेगा या नहीं, तो उसके लिए टीम में बने रहना मुश्किल हो जाएगा। आने वाले महीनों में कुछ और कड़े फैसले देखने को मिल सकते हैं।'

'रोहित को अब घरेलू क्रिकेट खेलना होगा'

गावस्कर ने यह भी सुझाव दिया कि अगर रोहित वनडे टीम में वापसी चाहते हैं, तो उन्हें विजय हज़ारे ट्रॉफी जैसी घरेलू टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेना चाहिए ताकि मैच फिटनेस बनी रहे। उन्होंने कहा, 'सिर्फ पाँच-सात वनडे से कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीता जा सकता, इसके लिए लगातार अभ्यास जरूरी है।'

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के बीमार पड़ने के मामले में बीसीसीआई ने दिया जवाब, खाने में समस्या नहीं : राजीव शुक्ला

कानपुर ।भारत दौरे पर आयी ऑस्ट्रेलिया ए क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के बीमार होने के मामले में उठ रहे सवालों को लेकर अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी प्रतिक्रिया दी है ।बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कि अगर टीम होटल के खाने में कोई खराबी होती, तो केवल ऑस्ट्रेलियाई ही नहीं बल्कि भारतीय खिलाड़ी भी बीमार पड़ते ।उन्होंने कहा कि चार विदेशी खिलाड़ियों को कही और से संक्रमण हुआ होगा। यह मामला ऑस्ट्रेलिया ए मध्यम तेज गेंदबाज हेनरी थॉर्नटन की तबियत बिगड़ने के बाद उठा। इस गेंदबाज को तबियत खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। इस घटना के बाद से ही क्रिकेटरों की सेहत को लेकर चिंता जतायी गयी थी ।वहीं शुक्ला ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि खान एक बड़ होटल से आता है और उसमें कोई कमी नहीं पायी गयी है। शुक्ला ने कहा, 'अगर खाने में कोई समस्या होती, तो सभी खिलाड़ी, जिनमें भारतीय खिलाड़ी भी शामिल हैं, बीमार पड़ते ।यह कुछ और ही मामला है ।उन्हें एक अच्छे होटल का खाना दिया जा रहा है और साभी वही खाना खा रहे हैं ।संक्रमण कहीं और से हुआ होगा ।'

युवराज, धोनी को खेलते देखकर सीखी बल्लेबाजी : तेवतिया

मुम्बई। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले बल्लेबाज राहुल तेवतिया ने कहा है कि उन्होंने बल्लेबाजी कौशल युवराज सिंह और महेन्द्र सिहं धोनी को देखकर सीखा है ।तेवतिया को युवराज की स्टाइल और शॉट चयन पसंद हैं ।वहीं धोनी के उन्होंने अंतिम ओवरो में शांत रहकर मैच समाप्त करने के अंदाज से उन्हें भी प्रेरणा मिली। इससे उन्हें अंदाजा हुआ कि फिनिशर को किस प्रकार बल्लेबाजी करनी चाहिये ।तेवतिया ने कहा, 'मैं युवराज की बल्लेबाजी देखते हुए ही यहां तक पहुंचा हूं ।वहीं जब मैंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में फिनिशर की भूमिका निभाना शुरू किया, तब मैंने धोनी की बल्लेबाजी को ध्यान से देखना शुरु कर दिया ।इससे मुझे पता चला कि डेथ ओवरों में गेंदबाजों को पर कैसे आक्रामक अंदाज में खेला जा सकता है। इससे मुझे काफी लाभ हुआ।' गौरतलब है कि तेवतिया ने साल 2020 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए पंजाब के खिलाफ एक मैच में एक ओवर में ही पांच छक्के लगा दिये थे। इसके बाद गुजरात टाइटन्स के लिए साल 2022 में उन्होंने अंतिम दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई। उस सत्र में गुजरात की आईपीएल जीत में तेवतिया ने अहम भूमिका निभाई थी। तेवतिया ने कहा कि क्रिकेट में सफलता के लिए स्थिर मानसिकता रखना जरूरी है, 'सफलता या असफलता दोनों में ही समान बने रहना जरुरी है। अगर आप जल्दी आउट हो जाते हैं, तो दुख होना स्वाभाविक है पर हमारा असली ध्यान परिणाम की जगह पर प्रक्रिया और तैयारी पर रहना चाहिए ।' गौरतलब है कि तेवतिया ने अब तक 14 प्रथम श्रेणी मैचों में 535 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 144 है। वहीं गेंदबाजी में उन्होंने 32 विकेट लिए हैं,

प्रमोद भगत ने अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखा, अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में जीते तीन गोल्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने 30 सितंबर से पांच अक्टूबर तक नाइजीरिया के अबिया में हुए पहले अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट में तीन खिताब जीतकर अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखा। 37 वर्षीय पैरा खिलाड़ी भगत ने तोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीता था लेकिन तीन बार अपने स्थान की जानकारी देने से संबंधित चूक के कारण पेरिस पैरालंपिक से बाहर हो गए थे।

भगत ने फाइनल में हमवतन मंटू कुमार को 21-7, 9-21, 21-9 से कड़ी टक्कर देते हुए पुरुष एकल एसएल3 का खिताब जीता। अठारह महीने के प्रतिबंध के बाद वापसी करते हुए चाइना पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल जीतने वाले भगत ने दूसरा गेम हारने के बाद मजबूती से वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसके बाद उन्होंने सुकांत कदम के साथ मिलकर पुरुष युगल का स्वर्ण पदक जीता जिसमें उन्होंने पेरू के गेर्सन जेयर वर्गास लोस्टानौल और डायना रोजास गोलाक को 21-13, 21-17 से हराया। भगत को तीसरा खिताब मिश्रित युगल (एसएल3-एसयू5) में मिला जिसमें उन्होंने आरती पाटिल के साथ मिलकर एक और करीबी फाइनल जीता। भगत ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''हर जीत मुझे अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना और भारत को गौरव दिलाना हमेशा खास होता है।' युगल में भगत के साथी सुकांत कदम ने कहा, 'प्रमोद के साथ खेलना मुझे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। कोर्ट पर हमारी समझ हर मैच के साथ मजबूत हो गई है। इस जीत से आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा।'

इस बीच रणजीत सिंह ने तीन कांस्य पदक जीते। उन्होंने पुरुष एकल डब्ल्यूएच1, पुरुष युगल डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 (परमजीत सिंह के साथ) और मिश्रित युगल डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 (शबाना के साथ) में तीसरा स्थान हासिल किया। नुरुल हुसैन खान ने पुरुष एकल डब्ल्यूएच2 में रजत पदक जीता जबकि उमा सरकार ने महिला एकल एसएल3 में रजत पदक हासिल किया। सरकार ने आरती के साथ मिलकर महिला युगल एसएल3-एसयू5 में कांस्य पदक भी जीता। अन्य नतीजों में नीलेश गायकवाड़ (पुरुष एसएल4) और कनक सिंह जादौन (महिला एसएल4) ने कांस्य पदक जीते। पुरुष एकल एसयू5 में भारत के लिए करण पनीर, राहुल विमल और सतीवाड़ा ने क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया।

सोफी डिवाइन ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, महिला विश्व कप में ये कमाल करने वाली 10वीं खिलाड़ी बनीं

इंदौर (मध्य प्रदेश) ।न्यूजीलैंड के लिए अपना 300वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही न्यूजीलैंड की बल्लेबाज सोफी डिवाइन ने आईसीसी महिला विश्व कप के इतिहास में 10वीं सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ियों में जगह बनाकर एक यादगार प्रदर्शन किया ।दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी टीम के पहले पारी में 47.5 ओवर में 231 रन के स्कोर के दौरान डिवाइन ने 98 गेंदों में 9 चौकों की मदद से 86.73 के स्ट्राइक रेट से 85 रन बनाए ।उन्होंने अब तक 27 विश्व कप मैचों और 24 पारियों में 37.65 की औसत और 94 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 866 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं ।उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 145 रन है ।वह विश्व कप इतिहास में 10वीं सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं ।न्यूजीलैंड की दिग्गज डेबी हॉकले 45 मैचों और 43 पारियों में 42.88 की औसत से 1,501 रन बनाकर शीर्ष पर हैं, जिसमें दो शतक और 10 अर्द्धशतक और 100* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है, उसके बाद भारत की मिताली राज (38 मैचों में 36 पारियों में 47.17 की औसत से 1,328 रन, दो शतक और 11 अर्द्धशतक) और इंग्लैंड की जेनेट ब्रिटिन (36 मैचों और 35 पारियों में 43.30 की औसत से 1,299 रन, चार शतक और तीन अर्द्धशतक) का स्थान है ।गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में एक साहसी और संघर्षपूर्ण शतक बनाने के बाद 36 वर्षीय डिवाइन 2025 के संस्करण में अब तक की सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं जिन्होंने दो पारियों में 98.50 की औसत से 197 रन बनाए हैं ।

विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली और कल्पना के नाम पर होंगे स्टैंड

–12 अक्टूबर को होगा उद्घाटन

विशाखापत्तनम ।भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज और पूर्व क्रिकेटर रवि कल्पना के नाम पर अब विशाखापत्तनम क्रिकेट स्टेडियम के दो स्टैंड होंगे ।इन दोनो के नाम के स्टैंड का उद्घाटन 12 अक्टूबर को भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले महिला विश्व कप मैच में किया जाएगा ।भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना के अनुरोध के बाद ही स्टैंड के नाम मिताली और कल्पना के नाम पर रखे जाने का फैसला लिया गया है ।मंधाना की अपील पर मंत्री नारा लोकेश ने आंध्र क्रिकेट संघ से सलाह के बाद विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली और कल्पना के नाम पर स्टैंड के नाम रखे जाने का फैसला लिया ।मंत्री नारा लोकेश ने कहा की मंधाना के सुझाव पर अमल महिला क्रिकेट की इन हस्तियों को सम्मानित करने के लिए किया जा रहा है। ऐसे में अब आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) भारत–ऑस्ट्रेलिया मैच से पहले 12 अक्टूबर को मिताली राज स्टैंड और रवि कल्पना स्टैंड का उद्घाटन करेगा ।स्टैंड का नाम बदलने से महिला क्रिकेटर्स के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ ही खेल में उनके योगदान को भी महत्व देना है ।इससे उभरती प्रतिभाओं को भी महिला क्रिकेट को एक पेशे के रूप में अपनाने की प्रेरणा भी मिलेगी ।राज ने अपने करियर में 12 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 1 शतक और 4 अर्धशतकों के साथ 699 रन बनाए ।इसके अलावा, उन्होंने 232 वनडे मुकाबलों में 7 शतकों और 64 अर्धशतकों के साथ कुल 7,805 रन बनाये ।89 टी20 मुकाबलों में मिताली ने 2,364 रन निकले ।वहीं आंध्र प्रदेश की कल्पना ने बतौर विकेटकीपर–बल्लेबाज राज्य स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने के साथ ही सात एकदिवसीय भी खेले ।

सफी बांग्लादेश के खिलाफ अफगानिस्तान की वनडे सीरीज से बाहर, सामी को मिली जगह

अबू धाबी ।अफगानिस्तान के युवा दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सलीम सफी कमर (एडक्टर) में खिंचाव के कारण बांग्लादेश के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं ।अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ACB) ने सोमवार को यह जानकारी दी ।सफी ने अफगानिस्तान के लिए एक टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के अलावा दो वनडे मैच भी खेले हैं ।उनकी अनुपस्थिति में, तेज गेंदबाज बिलाल सामी, जिन्होंने अब तक एक वनडे खेला है, को रिजर्व पूल से अफगानिस्तान की मुख्य टीम में शामिल किया गया है ।यह सीरीज क्रमश : 8, 11 और 14 अक्टूबर को शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेली जाएगी ।ACB ने अपने बयान में आगे कहा, 'टीम के फिजियो का मानना है कि वह इस बुधवार को होने वाले पहले वनडे के लिए तैयार होने की संभावना नहीं है। सलीम ACB के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में तब तक अपना रिहैबिलिटेशन जारी रखेंगे जब तक वह पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाते और राष्ट्रीय टीम में फिर से शामिल नहीं हो जाते ।' शारजाह में बांग्लादेश से टी20आई श्रृंखला 3–0 से हारने के बाद अफगानिस्तान के लिए कुछ जीत हासिल करने के लिए वनडे श्रृंखला महत्वपूर्ण होगी। रविवार को दोनों टीमों के बीच अंतिम टी20आई में, पहले बल्लेबाजी करने के लिए भेजी गई अफगानिस्तान ने अपनी पूरी पारी के दौरान गति बनाने के लिए संघर्ष किया ।उन्होंने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए, जब तक कि दरवेश रसूली (32) और मुजीब उर रहमान के देर से आए उछाल ने उन्हें निर्धारित 20 ओवरों में 143/9 तक नहीं पहुंचा दिया ।

महिला विश्व कप: पाकिस्तान पर जीत के बाद हरमनप्रीत कौर ने पिच को लेकर किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलंबो ¬भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने महिला एकदिवसीय विश्वकप 2025 में लगातार दूसरी दर्ज करने के बाद कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी। पाकिस्तान को 88 रनों से हराने के बाद हरमनप्रीत ने कहा, 'सच कहूं तो बल्लेबाजी करने के लिए पिच आसान नहीं थी। हम बस लंबे समय तक खेलना चाहते थे और देखना चाहते थे कि कितने रन बन सकते हैं। जब हमने यहां मई में त्रिकोणीय सीरीज खेली थी, तब पिचें अलग थीं। लेकिन पिछले दो दिनों की बारिश के कारण पिच थोड़ा रुक रही थी। मुख्य बात यह थी कि अंत तक विकेट बचाकर रखें, ताकि योजनाओं को लागू किया जा सकें।'

उन्होंने कहा, 'सुधार करने के लिए बहुत से क्षेत्र हैं लेकिन अभी मैं खुश हूं कि हम ये मैच जीते। हम बस उसी गति से आगे बढ़ना चाहते हैं। अब हम भारत लौटेंगे, जहां हमें पता है कि पिचें कैसी होंगी। देखते हैं कि हम कौन सा सबसे अच्छा कॉम्बिनेशन बना सकते हैं और कैसे रोज थोड़ा-थोड़ा बेहतर हो सकते हैं।'

श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच की तरह ही भारत की निचली क्रम की बल्लेबाजी ने टीम को बचाया और चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। बल्लेबाजी के दौरान भारत लय पाने के लिए संघर्ष करता रहा। एक समय भारत का स्कोर 203 रन पर 7 विकेट था और टीम ऑलआउट होने की कगार पर थी, लेकिन ऋचा घोष के नाबाद 35 रन (20 गेंद) ने स्कोर को 247 तक पहुंचा दिया। इसके बाद तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने शुरुआती विकेट लिए। फिर बाकी का बचा काम दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा ने किया।

गौड़ को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने शुरुआती 10 ओवरों में ही दो विकेट लेकर पाकिस्तान को पीछे धकेल दिया। गौड़ ने बहुत तेज गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए नई गेंद को इधर-उधर घुमाया और पिच से मिलने वाली उछाल से बल्लेबाजो को परेशान किया। भारत का क्षेत्ररक्षण निराशाजनक रहा। उन्होंने चार कैच छोड़े, जिनमें से तीन पाकिस्तान की शीर्ष स्कोरर सिदरा अमीन के थे। अब भारत अपने अगले दो मैच दक्षिण अफ्रीका से नौ अक्टूबर और ऑस्ट्रेलिया से 12 अक्टूबर को विशाखापट्टनम में भिड़ेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बढ़ते शिशु के आहार को न करें नजरअंदाज

अगर छह महीने के बाद शिशु को सम्पूरक महिला के जीवन में बच्चे को जन्म देना सबसे ज्यादा खुशी के पलों में से एक है. किसी व्यक्ति ने तो यहां तक कहा है कि संतान को जन्म देना किसी भी महिला के जीवन में अध्यात्म की गंभीर शुरुआत होती है. आहार देने में देरी की जाए तो बच्चे की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है.

अगर छह महीने के बाद शिशु को सम्पूरक आहार देने में देरी की जाए तो बच्चे की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है और बच्चे के शरीर में पोषण-संबंधी कमी आ सकती है. महिला के जीवन में बच्चे को जन्म देना सबसे ज्यादा खुशी के पलों में से एक है. किसी व्यक्ति ने तो यहां तक कहा है कि संतान को जन्म देना किसी भी महिला के जीवन में अध्यात्म की गंभीर

शुरुआत होती है. पहले दिन से ही शिशु और मां एक अटूट बंधन में बंध जाते हैं, जो स्तनपान द्वारा और अधिक मजबूत होता जाता है.

स्तनपान से बच्चों को मिलती है संतुष्टि

मशहूर ब्रिटिश प्रसूति विशेषज्ञ ग्रैंटली डिक-रीड ने कहा है कि नवजात शिशु की केवल तीन मांगें होती हैं. वह अपनी मां की बाजुओं की गर्माहट चाहता है, उसके स्तनों से अपना आहार चाहता है और उसकी उपस्थिति में अपनी सुरक्षा का भान चाहता है. स्तनपान तीनों की संतुष्टि करता है. हालांकि, एक ऐसा समय आता है जब मां का दूध बढ़ते शिशु की पोषण-संबंधी आवश्यकताएं पूरी करने के लिए पर्याप्त नहीं होता. छह माह की आयु से शिशु की अच्छी सेहत, बढ़त और विकास के लिए ऊर्जा के अतिरिक्त स्रोत और अन्य आवश्यक पुष्टिकर जरूरी हैं.

जब बच्चा छह महीने का हो जाए तब मां के दूध के साथ अर्ध ठोस एवं ठोस खाद्य पदार्थ भी जरूरी हो जाते हैं, इसे कॉम्प्लीमेंट्री फीडिंग कहते हैं. यद्यपि डॉक्टरों का परामर्श है कि अनुपूरक आहार न तो बहुत जल्दी शुरू करना चाहिए और न ही इसमें देरी करनी चाहिए क्योंकि ऐसा करने पर बाद में सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है. पो

पोषण की जरूरत

फोर्टिस हॉस्पिटल्स के बाल रोग विभाग के निदेशक और विभागाध्यक्ष डॉ. राहुल नागपाल के अनुसार छह महीने से लेकर 18-24 महीने का वक्त किसी भी बच्चे के लिए अतिसंवेदनशील समय होता है. इंसान के शरीर का सबसे तीव्र विकास शिशुवस्था में होता है और शारीरिक वजन की प्रति इकाई के आधार पर पोषण की जरूरत उच्चतम स्तर पर होती है. यही वह वक्त है जब कई बच्चों में कुपोषण की शुरुआत होने लगती है. केवल छह महीने की उम्र में ही बच्चे की पाचन प्रणाली इस काबिल हो पाती है कि वह अर्ध ठोस और ठोस आहार को पचा पाए. 4 से 6 माह के दौरान उसके पेट और गुर्दे का परिपक्व हो जाता है, जिससे मां के दूध के अलावा अन्य आहार को प्रोसेस करने में उसे मदद मिलती है और इस कार्य को सुरक्षित तरीके से करने के लिए इस उम्र तक उसके मोटर स्किल्स भी विकसित हो जाते हैं.

ठोस आहार वक्त से पहले न दें

इसीलिए चिकित्सा विशेषज्ञों का सर्वसम्मति से यह मानना है कि छह महीने की आयु से बच्चे को सम्पूरक आहार देना शुरू करना चाहिए. ठोस आहार वक्त से पहले खिलाने पर मोटापे, मधुमेह, उदर रोग, एलर्जी तथा अन्य विकृतियों (जैसे बचपन के बाद के वर्षों में खाज) का जोखिम बढ़ जाता है. किंतु माताओं में जानकारी की कमी के चलते समय से पहले ठोस आहार देने का चलन जारी है.

वास्तव में, 4 से 5 महीने के 30 प्रतिशत शिशुओं को अनुपूरक आहार दिया जाता है, जबकि चिकित्सकीय सलाह इसके विपरीत है. इसी तरह, अगर छह महीने के बाद सम्पूरक आहार देने में देरी की जाए तो बच्चे की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है.

केवल मां का दूध पर्याप्त नहीं

बच्चे के शरीर में पोषण-संबंधी कमी आ सकती है क्योंकि अब केवल मां का दूध उसकी सभी पोषण आवश्यकताओं पूरा करने में सक्षम नहीं होता. सम्पूरक आहार की अवधि हेतु पोषण-संबंधी सलाह, इस कॉन्सेप्ट पर आधारित है कि मां के दूध से 6 महीने के शिशु की ऊर्जा, प्रोटीन और माइक्रोन्यूट्रीएंट्स संबंधी जरूरतें पूरी नहीं होतीं.

इस उम्र के बाद भी जिन बच्चों को केवल मां के दूध पर ही पोषित किया जाता है उनमें पोषण की कमी रह जाती है और पेचिश व निमोनिया जैसे रोके जा सकने वाले रोगों के खिलाफ प्रतिरक्षा कम हो जाती है.

तनाव की वजह आपका ही घर तो नहीं!

जब किसी घर में रहने वाले लोग गलत दिशा में सोना शुरू कर देते हैं तो उन्हें चिंता घेर लेती हैं. सामान्य कारणों के लिए आपा खोना, नौकरी छूटने के डर के साथ जीना, स्टॉक मार्केट क्रैश के बारे में लगातार सोचना या किसी बीमार पारिवारिक सदस्य या दोस्त के बारे में सोचना हमारी रोजाना की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं. हम सब अनिश्चितता की स्थितियों के बारे में सोचते हैं. ये स्थितियां ही सामान्य चिंता, ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर, सामाजिक चिंता और पोस्ट ट्रॉमैटिक स्ट्रेस जैसी बीमारियों के कारण हैं.

हममें से कई ने इन बीमारियों के मूल कारण को जानने की कोशिश किये बिना तनाव, चिंता और डिप्रेशन के साथ जीना सीख लिया है. हमें पता है कि इस हालात का पहले ही इलाज कर लेना चाहिए, फिर भी हम ऐसा तभी करते हैं, जब ये स्ट्रोक्स, हार्ट अटैक, ओबेसिटी, इनफर्टिलिटी जैसे बुरे रूप अख्तियार कर लेते हैं और ये सब लंबे समय तक चलने वाले तनाव, चिंता और डिप्रेशन के परिणाम हैं.

आश्चर्यजनक तो यह है कि हममें से अधिकतर को इस बात का पता तक नहीं है कि इन बीमारियों के मुख्य कारणों में से एक की जड़ें हमारे अपने घर में ही हैं. हमारे घर में हमारे आसपास फैली निगेटिव एनर्जी का परिणाम चिंता और तनाव के रूप में सामने आता है. वास्तुशास्त्र का कहना है कि यदि हमारा घर यूनिवर्सल एनर्जी सिस्टम के आधार पर बना हो तो कोई भी बाहरी तत्व वहां रहने वालों को तनावपूर्ण या चिंतित नहीं कर सकता. वास्तु शास्त्र के अनुसार बनाया गया घर यह सुनिश्चित करता है कि वहां रहने वाले लोग हमेशा शांति महसूस करेंगे, उनकी रोजाना की जिंदगी में आने वाली निगेटिविटी घर की पॉजिटिव एनर्जी से खत्म हो जाती है.

वास्तुशास्त्र ने घर में की जाने वाली हर गतिविधि के लिए कुछ दिशाओं का वर्गीकरण किया है. ये वर्गीकरण हर दिशा में मौजूद एनर्जी के स्तर के अनुसार किये गये हैं. जब किसी घर में रहने वाले लोग मन मंथन वाली दिशा यानी पूर्व-दक्षिण-पूर्व में सोना शुरू कर देते हैं तो उन्हें चिंता घेर लेती है. चिंता का दूसरा कारण इस जोन में योग या प्रार्थना करना भी है. पिछले 20 वर्षों में वास्तु के क्षेत्र में किये गये शोध एक आश्चर्यजनक तथ्य सामने लेकर आये हैं. इनके अनुसार, डायबिटीज और हाई ब्लडप्रेशर से जूझ रहे अधिकतर लोगों का किचन इसी दिशा क्षेत्र में होता है. इन लोगों के घरों में जब हमने महावास्तु बार चार्ट तकनीक के अनुसार पूर्व-दक्षिण-पूर्व की क्षेत्रीय शक्ति का विश्लेषण किया तो हमें यह पता चला कि इस क्षेत्र की एनर्जी किस तरह वहां रहने वाले लोगों के मन को प्रभावित करती है और व्यक्ति बेचैन हो जाता है. वह सही निर्णय ले पाने की क्षमता खो देता है और उसे कई मामलों में नुकसान का सामना करना पड़ता है. इससे कई स्तरों पर उसकी चिंता और भी बढ़ जाती है. ठीक इसी तरह, इस क्षेत्र का बढ़ा होना किसी भी व्यक्ति को अधिक विश्लेषणात्मक बना देता है.

इस क्षेत्र में सोने से व्यक्ति की चिंता का स्तर बढ़ने के कारण उसे उलझते रिश्ते और खराब स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है. उसके दिमाग में विचारों की उधेड़बुन चलती रहती है. इसलिए आदर्श स्थिति में, पूर्व-दक्षिण-पूर्व में बेडरूम नहीं होना चाहिए. वास्तुशास्त्र केवल आदर्श दिशा के बारे में ही नहीं बताता बल्कि आपको यह भी बताता है कि यदि आपके घर में वास्तु दोष है तो किस तरह निगेटिव एनर्जी को खत्म किया जा सकता है. यह शास्त्र केवल दोषों का पता नहीं लगाता, यह समस्याओं का समाधान भी बताता है.

उदाहरण के लिए, यदि आपका बेडरूम पहले से पूर्व-दक्षिण-पूर्व क्षेत्र में है तो आपको इसके नकारात्मक प्रभाव को ठीक करने की जरूरत है.

दीवारों को लाइट क्रीम या हल्के पीले रंग के शेड की ओर या पेस्टल ग्रीन के लाइट टोन में करके इस नकारात्मकता को दूर किया जा सकता है. दीवारों पर ये रंग काफी हद तक तनाव और चिंता को सोख लेते हैं. प्रैक्टिकल केस स्टडीज के आधार पर वास्तु के सरल फार्मुलों को सीख कर आप चिंता से छुटकारा पाने के अलावा उत्साह और फुर्ती से आगे बढ़ सकते हैं. इससे आपको घर से हर निगेटिविटी दूर करने में मदद मिलती है और शांति, समृद्धि और खुशहाली का आवागमन होता है.

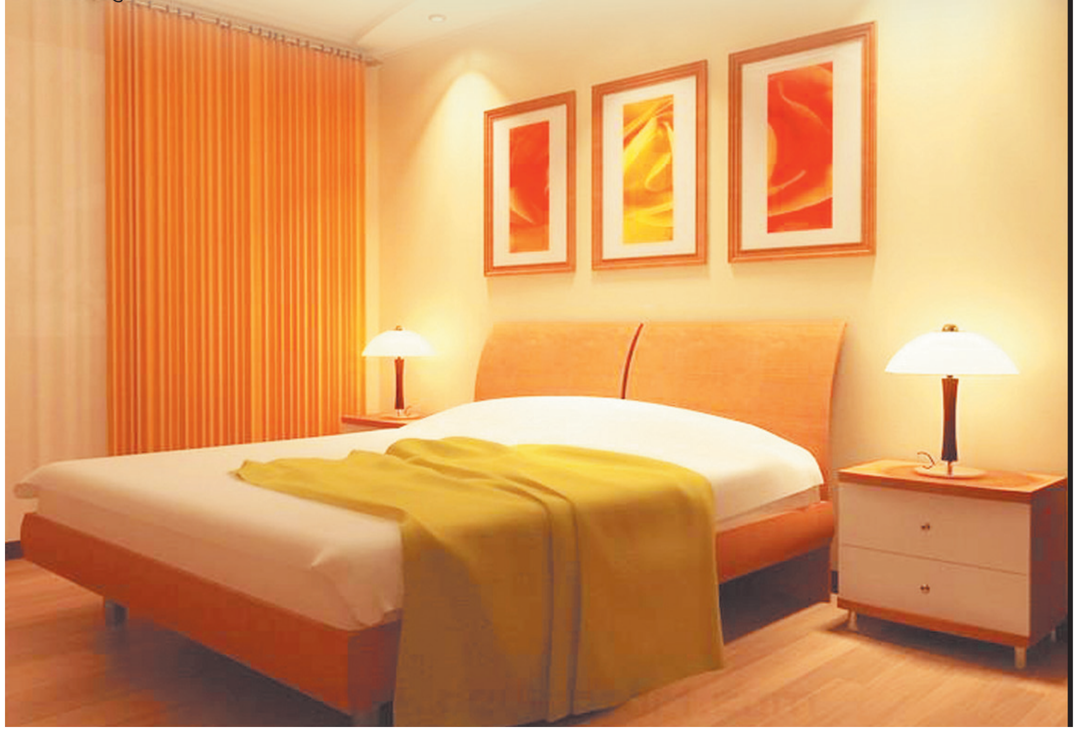

इस तरह बनें ग्लैमरस

आप अपनी वार्डरोब देखकर परेशान हो रही होंगी कि इनमें से एक भी पहनने लायक नजर नहीं आ रहा। सभी के साथ यह प्रॉब्लम रहती ही है, वजह है कम्पलीट गाइडेंस की कमी। जबकि थोड़ी सी जानकारी हो तो आप अपने मौजूदा आऊटफिट्स के सही कॉम्बिनेशन से ही प्रेजेंटेबल नजर आ सकती हैं।

आमतौर पर आप सिंपल रहना पसंद करती हैं, लेकिन आप इस केजुअल लुक को पूरी तरह बदलकर ग्लैमरस नजर आ सकती हैं। इसके लिए विशेष मेहनत की जरूरत भी नहीं होगी। बस आपको चाहिए कुछ फिटिंग वाली ड्रेसेज और क्लासिक एसेसरीज, गजब का मेकअप और राइट एटीट्यूड। वॉर्डरोब को मैनिज करने के लिए पहले अपने कलेक्शन को लिमिटेड करें और बेहद जरूरी चीजों को अलग रखें। इनमें ब्लैक फॉर्मल ट्राउजर, बेज कलर में ट्राउजर, ब्लू जींस, वाइट शर्ट या ब्लाउज, ब्लैक टॉप और फुटवियर्स में वेजेस रखें। इंडो-वेस्टर्न में ऑफिस में पहने जाने वाले कुर्ते या कुर्तियों को डिफरंट बॉटमवियर मसलन जींस, ट्राउजर, स्कर्ट वगैरह के साथ मैच करें।

लिटिल ब्लेक ड्रेसेज

कहीं भी हों, अपने आस-पास के लोगों को नोटिस करें कम से कम दस-पन्द्रह लोग ऐसे मिल जाएंगे, जिन्होंने ब्लेक पहना हुआ होगा। यही वह रंग है जिसे लोग हर मौके पर पहनने को प्राथमिकता देते हैं। इसलिए जब कुछ न जंचे तो ब्लेक पहन लीजिए।

वेल फिटेड डार्क डेनिम जींस

वार्डरोब में एक जोड़ी वेल फिटेड डेनिम जींस का होना हर महिला के लिए जरूरी है। अवसर के मुताबिक आप जिस तरह से नजर आना चाहती हैं वैसे ही किसी भी तरह के टी, टॉप या ट्यूनिक या फिर लिनिन ब्लाउज को इसके साथ मैच किया जा सकता है। इसके साथ ब्राइट कलर्ड स्कार्फ कैरी कर आऊटफिट को ग्लैमरस लुक दिया जा सकता है।

क्लासिक साड़ी

पारंपरिक प्योर सिलक साड़ी को अच्छे स्टायलिश और फिटेड ब्लाउज के साथ मैच करें। ज्वेल टोन वाली कॉकटेल साड़ी को नूडल स्ट्रेप ब्लाउज के साथ ट्राय करें। साड़ी के बिना किसी भी भारतीय महिला की वार्डरोब अधूरी ही होगी। सिंपल किटी हो या शादी का मौका यह हर अवसर के लिए अनुकूल है। साड़ी कभी भी आऊट ऑफ स्टाइल नहीं हो सकती, हर बार इसे पहनने का तरीका बदलकर दूसरों को भी नयेपन का अहसास करा सकती हैं।

अनूठी एसेसरीज नया लुक

एसेसरीज के बिना कोई लुक कम्पलीट नहीं हो सकता। अवसर के मुताबिक पहनी गई एसेसरीज आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगा देती हैं। जरूरी नहीं कि यह महंगी ही हो या डिजाइनर बैग्स और शूज ब्रांडेड ही हो। कई बार सिंपल एसेसरीज और बैग्स भी आपको डिफरेंट लुक दे देते हैं। यह इतने भारीभरकम भी न हो कि आपकी पर्सनैलिटी पर भारी नजर आने लगे। सही तरीके से चुनी और पहनी गई एसेसरीज आपको भीड़ में भी अलग पहचान देगी।

फाइंड द राइट

- सबसे पहले तय करें कि आप पर किस तरह की चीजें सूट करेंगी। आऊटफिट्स और एसेसरीज का चुनाव करते समय क्लीयर होना चाहिए कि आपको क्या चाहिए। यह सब आपके बॉडी शेप के मुताबिक ही हो।
- अगर आप लंबी और दुबली हैं तो अल्ट्रा फिटेड लायक्रा आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगा। यह बॉडी शेप के मुताबिक ढल जाती है।
- अगर आपका फिगर परफेक्ट नहीं हैं, टमी भी बढ़ी हुई नजर आ रही है या बैक पोर्शन हेवी है तो बैलून ड्रेस ट्राय करें।
- अगर आपकी बांहे और कंधे चौड़े हैं तो आपको हॉल्टर नेक ड्रेस पहननी चाहिए। इनके साथ शेंडेलियर इअररिंग्स और ऊंचे और पतली शेप वाले शूज या बैलीज पहनें। यह सब सिंपल और क्लासी हो, और ड्रेसेज का फेब्रिक मौसम के अनुकूल हो।
- वूल और वूल ब्लेंड्स सर्दियों के लिए उचित रहते हैं वहीं सेटिन, सिल्क और रेयोन साल के बाकी महीनों के लिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मॉब लिंचिंग में मारे गए दलित युवक के परिजनों से राहुल गांधी ने की बात

रायबरेली (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के रायबरेली जिले में मॉब लिंचिंग में मारे गए दलित युवक के परिजनों से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार देर रात फोन पर बात की। युवक के भाई ने बताया कि राहुल ने उनसे कहा कि परेशान मत होइए, कांग्रेस परिवार आपके साथ है। उन्होंने मेरे पिता से उनकी तबीयत के बारे में भी पूछा। इधर, अजय राय ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि यूपी में जंगलराज की सरकार है। जो लोग खुलेआम गुंडागर्दी कर रहे हैं और लोगों को मार रहे हैं, वे किसी भी तरह बख्शे नहीं जाएंगे। वहीं, पत्नी पिंकी ने कहा कि जैसे मेरे पति की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या की गई, वैसे ही हत्यारों को भी सजा मिलनी चाहिए। मुझे इंसाफ चाहिए। वहीं, बहन ने कहा कि भाई की हत्या साजिश के तहत की गई। हरिओम पासवान की 3 अक्टूबर को हत्या हुई थी। पहले कहा गया था कि युवक ड्रोन चोर था। उसी दिन युवक को पीटने और उसकी लाश के वीडियो भी सामने आए थे। इसके बाद 4 अक्टूबर को एक और वीडियो सामने आया, जिसमें मार खाते हुए युवक राहुल गांधी का नाम लेता है। इस पर भीड़ में से एक शख्स कहता है, यहां सब 'बाबा' वाले हैं। इसके बाद युवक को बेरहमी से पीटा गया। पुलिस ने मामले में अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। जबकि लापरवाही बरतने पर ऊंचाहार कोतवाल संजय कुमार सहित 6 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है।

निलंबित पुलिस वाहन चालक मंसूर के मामले में एक्शन, आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज

कोडरमा (एजेंसी)। झारखंड के कोडरमा जिले के चंदवारा स्थित पुलिस लाइन के निलंबित पुलिस वाहन चालक मंसूर आलम की आत्महत्या मामले ने पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। घटना में जिले के जयनगर थाना प्रभारी बबलू सिंह, डोमचांच थाना प्रभारी ओमप्रकाश यादव, पिकेट प्रभारी रमेश मरांडी और एएसआई अरविंद हांसदा के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में कांड संख्या 76/25 दर्ज की गई है। मंसूर बीते तीन माह से निलंबित था। मंसूर पर आरोप है कि ड्यूटी के दौरान लापरवाही और शराब सेवन के कारण सस्पेंड किया था। आत्महत्या से पूर्व मंसूर वीडियो जारी कर आरोपित पुलिस अधिकारियों पर झूठा फंसाने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया था। वीडियो वायरल होते ही पुलिस मेंस एसोसिएशन और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने घटना को साजिश करार देकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। इधर, मंसूर की पत्नी ने भी निलंबन के बाद वेतन रोकने से उत्पन्न आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव को आत्महत्या का प्रमुख कारण बताया था। उन्होंने थाने में दिए बयान में संबंधित अधिकारियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया था। ज्ञात हो कि मंसूर आलम ने गत मंगलवार (30 सितंबर) को सल्फास खाकर जान देने का प्रयास किया था। इलाज के दौरान बुधवार (1अक्टूबर)को रिम्स, रांची में उसकी मौत हो गई थी।

जेएसएल रियल्टी मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने पुलिस के आचरण पर गंभीर सवाल उठाए

मुंबई (एजेंसी)। जेएसएल रियल्टी से संबंधित कथित धोखाधड़ी और सत्ता के दुरुपयोग से जुड़े मामले के बारे में बॉम्बे हाईकोर्ट ने पुलिस के आचरण पर गंभीर सवाल उठाए हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट की फटकार के बाद जाँच आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लूय) से लेकर मुंबई अपराध शाखा को सौंप दी गई है। यह आदेश महाराष्ट्र पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) द्वारा जारी किया गया था। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम ए.अंखड की पीठ ने एक जाँच अधिकारी को सत्ता के कथित दुरुपयोग के लिए फटकार लगाई। यह पाया गया कि जिस अधिकारी को पहले एक गलत गिरफ्तारी के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था, वह अभी भी इस मामले को देख रहा था। अदालत ने आईआईएफएल द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, और उसने आरोपी ममता सिंह को अंतरिम राहत दी थी, जिन्हें ईओडब्ल्यू ने 10 सितंबर को गिरफ्तार किया था। पीठ ने सिंह की गिरफ्तारी से जुड़ी कई विसंगतियों को उजागर किया। उनका बयान 18 जून को दर्ज किया गया था, लेकिन उन्हें लगभग तीन महीने बाद बिना किसी स्पष्ट कारण के गिरफ्तार किया गया। अदालत ने सवाल किया कि सिंह को दिव्यांग बच्चे के जन्मदिन की पार्टी के दौरान क्यों गिरफ्तार किया गया और उन्हें अन्य आरोपियों के विपरीत आगे नोटिस क्यों नहीं दिए गए। पीठ ने कहा कि गिरफ्तारी में देरी के कारणों को न बता पाना जाँच के आचरण पर गंभीर सवाल उठाता है। अधिकारी की कार्रवाई पक्षपातपूर्ण और पारदर्शिता रहित प्रतीत होती है, जिसमें याचिकाकर्ता के परिसर में की गई तलाशी का कोई रिकॉर्ड भी नहीं है। अदालत ने ज़ोर दिया कि गिरफ्तारी का अधिकार निरंकुश नहीं है।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठन के अलग-अलग अभियानों में तीन उग्रवादी गिरफ्तार

बिष्णुपुर (एजेंसी)। मणिपुर में अलग-अलग अभियानों में तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक कैडर को बिष्णुपुर जिले के केरेनफाबी मानिंग लेइकाई इलाके से गिरफ्तार किया है। खुमुकचाम बीरेन मेइती (40) पर दुकानदारों, स्कूलों और कॉलेजों से जबरन वसूली करने का आरोप है। वहीं प्रतिबंधित संगठन के एक और स्वयंभू लेफ्टिनेंट को शनिवार को जिले के निंगथौखोंग इलाके से गिरफ्तार किया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खानगेमबाम मंगलेम्बा सिंह (46) सुरक्षाकर्मियों की आवाजाही पर नजर रखता था और अपने संगठन के सदस्यों को सूचना पहुंचाता था। पीएलए मुख्य रूप से पड़ोसी देश म्यांमार स्थित अपने शिविरों से सक्रिय हैं। यह संगठन 19 सितंबर को नाम्बोल सबल लेइकाई में असम राइफल्स के काफिले पर घात लगाकर किए गए हमले में भी शामिल था, जिसमें दो जवान मारे गए थे। इस बीच, प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के एक सदस्य को रविवार को इंफाल वेस्ट जिले के नाओरेमथोंग से गिरफ्तार किया गया है।

ठाकरे बंधुओं की मुलाकातः अब निकाले जा रहे मायने, सियासी हलचल तेज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल शुरु हो गई है। यहां हाल ही में हुई शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के चीफ राज ठाकरे की ताजा मुलाकात के बाद दोनों के बीच गठबंधन की अटकलें तेज हो गईं हैं। हालांकि, इसे लेकर किसी भी पार्टी की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। ये मुलाकातें ऐसे समय पर हो रही हैं, जब मुंबई में बीएमसी चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं। रविवार को बांद्रा पूर्व स्थित मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन में राज्यसभा सांसद संजय राउत के पोते का नामकरण समारोह था। इस मौके पर राज और उद्धव दोनों ही पहुंचे थे। खास बात है कि यहां पर मुलाकात के बाद राज मातोश्री भी गए। खबर है कि दोनों नेता वहां करीब 40 मिनट तक रहे। फिलहाल, यह साफ नहीं है कि दोनों के बीच किस मुद्दे पर बात हुई।

वहीं भाजपा नेताओं ने रविवार को हुई दोनों नेताओं की मुलाकात को लेकर कहा कि इसका बीएमसी चुनाव के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भाजपा के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने कहा, भगवान ने उद्धव और राज को एक ही परिवार में भेजा है, लेकिन वे अब भी साथ नहीं रहते। उद्धव द्वारा इस बात पर जोर देने का कोई मतलब नहीं है कि वह और राज एक ही रहेंगे। उन्होंने (उद्धव-राज) दिवंगत बालासाहेब ठाकरे की साथ रहने की इच्छा को भी नहीं माना था। भाजपा के विधान परिषद सदस्य प्रवीण दरेकर ने कहा कि उनकी पार्टी को इन चचेरे भाइयों के एक साथ आने से ''कोई फर्क नहीं पड़ता है। यह पूछे जाने पर कि क्या दोनों के बीच गठबंधन सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए खतरा बन सकता है, दरेकर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इन दावों में कोई सच्चाई है कि सत्तारूढ़ (गठबंधन के) दल इस बात से डरे हुए हैं कि राज और उद्धव गठबंधन कर सकते हैं। यह पूरी तरह से काल्पनिक है। मतदाता चुनाव के दौरान फैसला करेंगे। उन्होंने कहा कि मनसे-शिवसेना (यूबीटी) गठबंधन बीएमसी चुनाव के नतीजों को प्रभावित नहीं करेगा।

इससे पहले 5 जुलाई को हुए एक कार्यक्रम में राज और उद्धव साथ शामिल हुए थे। 27 जुलाई को मनसे प्रमुख मातोश्री पहुंचे थे और उद्धव को 65वें जन्मदिन की बधाई दी थी। इसके बाद शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख अगस्त में गणेश चतुर्थी के मौके पर राज के घर पहुंचे थे।खबर है कि गठबंधन में शुरुआत में मनसे कथित तौर पर 100 सीटों की मांग कर रही थी, लेकिन अब 60 से 70 पर सहमति जता रही है। साल 2012 में मनसे ने 28 सीटें और 2017 में 7 सीटें जीती थीं। बता दें कि साल 2005 में राज ने तब अविभाजित शिवसेना से अलग होकर मनसे का गठन किया था। तब से ही दोनों नेता अलग हैं, लेकिन हाल ही में हुईं कई बैठकों ने गठबंधन की अटकलों को हवा दे दी है। वहीं, दोनों नेता भी अप्रत्यक्ष रूप से इसका समर्थन करते नजर आ रहे हैं। एक ओर जहां उद्धव ने सार्वजनिक रूप से गठबंधन की बात का स्वागत किया था। वहीं, राज ने हाल ही में कहा था कि मराठी माणूस के लिए एकजुट होना मुश्किल काम नहीं है।

परमिशन रद्द होने पर बोले धीरेंद्र शास्त्री- दीदी जब तक रहेंगी पश्चिम बंगाल में नहीं करेंगे कथा

खजुराहो (एजेंसी)। कथा वाचक और बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा है कि वे ममता बनर्जी के सीएम रहते पश्चिम बंगाल में कथा नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अभी हमको पश्चिम बंगाल जाना था, तो दीदी ने साफ मना कर दिया। परमिशन ही नहीं दी। दीदी जब तक हैं, तब तक बंगाल नहीं जाएंगे, दादा जब आएंगे तो जाएंगे। दरअसल, कोलकाता में 10, 11 और 12 अक्टूबर को धीरेंद्र शास्त्री की कथा होनी थी। बारिश की वजह से इसकी परमिशन रद्द कर दी गई। किसी और जगह पर कथा के लिए भी अनुमति नहीं दी गई, जिसके चलते शास्त्री ने अब इसे स्थगित कर दिया है। शास्त्री ने रविवार को रायपुर में कहा कि हमको पश्चिम बंगाल जाना था, तो दीदी ने हमें साफ मना कर दिया। समझ गए हम किसकी बात कर रहे हैं, नाम नहीं लेना चाहते हैं..., परमिशन भी कैंसिल कर दी गई और दूसरी जगह की परमिशन नहीं दी। जहां की परमिशन थी, वहां पानी भर गया था। फिर किसी ने कहा कि अब क्या कहोगे तो हमने कहा थैंक्यू बोल देना। इसका मतलब ये थोड़ी है कि हम अपना कार्य छोड़ देंगे। दीदी जब तक हैं, तब तक हम पश्चिम बंगाल नहीं जाएंगे। दादा जब आएंगे तो जाएंगे, लेकिन भगवान करे कि दीदी बनी रहे। हमें उनसे कोई दिक्कत नहीं, लेकिन बुद्धि ठीक रखें, धर्म के खिलाफ न जाएं। हम किसी राजनीति के पक्ष में नहीं हैं, न ही विरोध में हैं। हम सनातन के पक्ष में है। शास्त्री ने कहा कि घंटी बजाना, पूजा करना और तिलक लगाना ही धर्म नहीं है, बल्कि अधर्म के खिलाफ आवाज उठाना भी धर्म है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पीछे पूरे भारत के विधर्मी लगे हुए हैं, लेकिन उनका प्रण है कि जब तक तन में प्राण रहेंगे, वे हिंदुत्व के लिए ही जीएंगे।

पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण के रास्ते में क्या आ रहा कोर्ट... कांग्रेस नेता का बयान

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई होनी है। इस बीच, कांग्रेस नेता वी.हनुमंता राव ने ओबीसी आरक्षण को लेकर सोमवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने पहले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण दिया था, जिसका उन्होंने कभी विरोध नहीं किया। कांग्रेस नेता राव ने सवाल उठाया कि अब पिछड़ा वर्ग आरक्षण के मामले में बाधा क्यों डाली जा रही है। उन्होंने कहा, आखिर कोर्ट इस रास्ते में क्यों आ रहे हैं?

कांग्रेस नेता ने कहा कि राहुल गांधी 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को हटाने की वकालत कर रहे हैं। उन्होंने न्यायपालिका से अपील कर कहा, मैं अदालत से अनुरोध करता हूं कि हमारे रास्ते में न आएं। यह बयान स्थानीय निकायों में आरक्षण की नीति पर चल रही बहस को और हवा दे सकता है। तेलंगाना में विभिन्न राजनीतिक दलों और 60 से अधिक पिछड़ा वर्ग संघों के नेताओं ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए बिना किसी समझौते के संघर्ष करने का संकल्प लिया।

हैदराबाद में गोलमेज बैठक में पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मंत्री वक्ति श्रीहरि, श्रीनिवास गौड़, गंगुला कमलाकर, वी हनुमंत राव, पुट्टा मधु और आनंद भास्कर सहित वरिष्ठ नेताओं, सांसदों व विधान पार्षदों ने हिस्सा लिया। इन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में चल रही कानूनी लड़ाई पर चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता कर रहे राज्यसभा सांसद आर. कृष्णैया ने कहा कि पिछड़ा वर्ग आरक्षण की रक्षा के लिए जानेमाने वकीलों की नियुक्ति की जाएगी।

अब तीन दिन देरी से विदा होगा मानसून, अभी करेगा और झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले छह सालों की तरह इस बार भी मुंबई से मानसून की विदाई में दो से तीन दिन तक की देरी हो सकती है। मुंबई में मानसून की वापसी की तारीख 8 अक्टूबर, लेकिन मौसम विभाग ने बताया कि साइक्लोन शक्ति की वजह से इस साल मानसून की वापसी 8 से 11 तारीख के बीच होगी। इसका मतलब है कि अभी और झमाझम बारिश होगी। मुंबई में मानसून हटने तक हल्की से मध्यम बारिश जारी रह सकती है। सोमवार को मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पालघर के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना है।

आईएमडी ने पालघर और ठाणे के लिए मंगलवार को 'येलो अलर्ट' जारी किया है, जिसमें बिजली चमक, हल्की-मध्यम बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी है। चक्रवात शक्ति ने राज्य में मानसून की वापसी के दौरान तूफानी गतिविधियों को कमजोर कर दिया है। इसके अलावा, एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ दक्षिण की ओर आ रहा है, जो शुष्क उत्तरी हवाओं को ला रहा है। इससे संवहनीय गतिविधियां कम हो सकती हैं। शक्ति से राज्य के तटीय इलाकों पर कोई खतरा नहीं है। मौसम विभाग ने बताया कि चक्रवात शक्ति और मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के कारण मानसून के विदाई में देरी हो रही है। 2018 के बाद से मुंबई में मानसून की सामान्य तारीख पर विदाई नहीं हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को बताया कि चक्रवात शक्ति, जो पहले बंगाल की खाड़ी से शुरू हुआ और अरब सागर में रौद्र रूप लिया, ने राज्य में मानसून की वापसी की प्रक्रिया को बाधित कर दिया है। मुंबई के मौसम ट्रैकर रुशिकेश अग्रे ने कहा, 'बंगाल की खाड़ी में दबाव प्रणाली ने विदाई को टाला था, लेकिन अब यह सक्रिय हो गई है। मानसून की पूरी तरह से विदाई में एक सप्ताह लग सकता है। तब तक मुंबई में हल्की बारिश होती रहेगी।' इस साल मुंबई में मानसून की शुरुआत सबसे जल्दी 26 मई को हुई थी। इस देरी किसानों और शहरवासियों के लिए चुनौती पैदा कर रही है। मुंबई में लगातार वर्षा से जलभराव की समस्या बढ़ सकती है, जबकि ग्रामीण इलाकों में फसलें प्रभावित होंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि चक्रवात शक्ति का कमजोर पड़ना और पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव मिलकर मानसून को लंबा खींच रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में येलो अलर्ट, बारिश और तेज हवाओं के साथ मौसम बदलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सोमवार को मौसम फिर से बदलने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके तहत हल्की से मध्यम बारिश, गरज के साथ छींटे पड़ने और तेज हवाओं की संभावना जताई गई है। आईएमडी के अनुसार, 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और दिनभर रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी। इस बदलाव के कारण अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के करीब रहने की उम्मीद है, जबकि न्यूनतम तापमान लगभग 24 डिग्री सेल्सियस रहेगा। पिछले कुछ दिनों की तुलना में यह तापमान थोड़ा कम रहेगा, जिससे ठंडक महसूस होगी। मौसम के इस बदलाव का मुख्य कारण एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ है, जो उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों को प्रभावित कर रहा है। इस प्रणाली के प्रभाव से अगले 48 घंटों तक बादल छाए रहेंगे और तेज ठंडी हवाएं चलेंगी। आईएमडी ने राष्ट्रीय राजधानी और गुरुग्राम के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है, जो मध्यम से गंभीर जोखिम को दर्शाता है, जबकि नोएडा और गाजियाबाद के लिए येलो अलर्ट जारी है। अधिकारियों ने लोगों से बारिश और तेज हवाओं के दौरान सतर्क रहने का आग्रह किया है। उन्होंने खुले स्थानों पर जाने से बचने, गरज-चमक के समय सुरक्षित स्थानों पर रहने और ढीली वस्तुओं को मजबूती से बांधने की सलाह दी है, ताकि तेज हवा के कारण नुकसान न हो। सोमवार तड़के दिल्ली और आसपास के इलाकों में भारी बारिश भी हुई। मौसम के इस बदलाव से तापमान में गिरावट आएगी और वातावरण ठंडा और ताजा हो जाएगा। मौसम विभाग का कहना है कि यह स्थिति अगले दो दिन तक बनी रहेगी, इसलिए लोगों को सतर्क रहना आवश्यक है।

बारिश और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या हुई 28, मलबे में बह गए कई घर

दार्जिलिंग (एजेंसी)। इस साल भारी बारिश और भूस्खलन के चलते पहाड़ी इलाकों में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है। बीते रोज दार्जिलिंग में हुई भारी बारिश और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 28 हो गई है। यहां बारिश से बाढ़ आ गई और मलबे के तेज बहाव में कई घर बह गए। सड़कों पर जमा हुए मलबे के कारण आवागमन पूरी तरह बंद हो गया। हालांकि कहीं-कहीं जेसीबी से रास्ते साफ कर दिए गए जिससे यातायात बहाल हो गया है। इसके अलावा सड़के बह जाने के कारण कई गांवों का संपर्क खत्म हो गया है जिसके कारण सैकड़ों पर्यटकों फंस गए हैं।

राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज आपदा क्षेत्र का दौरा करेंगी। रविवार को उन्होंने अधिकारियों के साथ इमरजेंसी बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने कहा, 'शनिवार रात उत्तर बंगाल में अचानक 12 घंटों में 300 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हुई। संकोश नदी में पानी का अत्यधिक प्रवाह हुआ और भूटान व सिक्किम से भी नदी का पानी बह निकला। इससे यह आपदा आई। हमें यह जानकर सदमा और दुख हुआ है कि हमने अपने कुछ भाई-बहनों को खो दिया हैञ्मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं और उन्हें तुरंत सभी सहायताएं भेजूंगी। राज्य सरकार युद्ध स्तर पर बचाव कार्य कर रही है ताकि फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकाला जा सके। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज (सोमवार) उत्तरी बंगाल का दौरा करेंगी। वह नुकसान का आकलन करते हुए राहत कार्य का निरीक्षण करेंगी और प्रभावितों से मिलेंगी। भूटान के ताला हाइड्रोपावर बांध तकनीकी खराबी के कारण ओवरफ्लो हो रहा है। अधिकारियों ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। भूटान के राष्ट्रीय जल विज्ञान एवं मौसम विज्ञान केंद्र (एनसीएचएम) ने बताया कि ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन ने बांध के गेटों में खराबी की सूचना दी है, जिसके कारण वे नहीं खुल पाए, जिससे नदी का पानी बांध की संरचना के ऊपर फैल गया। भूटान ने आधिकारिक तौर पर पश्चिम बंगाल सरकार को संभावित निचले स्तर के प्रभाव के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है।

पीएम मोदी ने दुख व्यक्त किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर इस आपदा पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है और केंद्र सरकार प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है। फिलहाल बचाव और राहत दल मलबे में दबे और फंसे हुए लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है।

नेपाल में सामान्य हुए हालात... दिल्ली-काठमांडू अंतरराष्ट्रीय बस सेवा फिर से शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पड़ोशी देश नेपाल में हालात सामान्य होने के बाद दिल्ली-काठमांडू अंतरराष्ट्रीय बस सेवा फिर से शुरू हो गई है। ये बस सेवा यात्रियों के लिए बड़ी राहत है, क्योंकि इससे धार्मिक, पर्यटन व व्यावसायिक यात्राएं फिर सुगम हो सकेंगी।

यह सेवा दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (डीटीसी) द्वारा चलाई जा रही है। नेपाल में हिंसा के बाद यह सेवा रोक दी गई थी। अब बस सेवा को फिर से शुरू किया गया है, जिससे भारत व नेपाल के बीच लोगों से लोगों के संपर्क को और मजबूत किया जा सके।

बस नई दिल्ली के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम बस टर्मिनल (दिल्ली गेट) से सुबह 10ः00 बजे प्रस्थान कर काठमांडू के स्वयंभू बस टर्मिनल पर अगले दिन सुबह 9ः00 बजे पहुंचती है। रास्ते में बस की निर्धारित हॉल्ट फिरोजाबाद, अयोध्या (उत्तर प्रदेश), सनौली (भारत-नेपाल सीमा), मुग्लिंग (नेपाल) पर होती हैं।

बस में एयर-कंडीशनल लग्जरी कोच है, जिसमें 2×2 आरामदायक सीटें, पर्याप्त लेगरूम, वाई-फाई व जीपीएस ट्रैकिंग जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। भारतीय व नेपाली नागरिकों को यात्रा के लिए केवल सरकारी फोटो पहचान पत्र (जैसे पासपोर्ट या वोटर आईडी) की आवश्यकता होगी। लेकिन अन्य देशों के नागरिकों को वैध पासपोर्ट व वीजा अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना पड़ता है। इसके साथ ही यात्रियों को निर्धारित प्रस्थान समय से कम से कम एक घंटा पहले टर्मिनल पर रिपोर्ट करना अनिवार्य है। डॉ. अंबेडकर स्टेडियम बस टर्मिनल, दिल्ली गेट है। 5 वर्ष या उससे अधिक उम्र के यात्रियों का किराया 2800 रुपए प्रति व्यक्ति है। 2 वर्ष तक के बच्चे निःशुल्क है। उनके लिए सीट आरक्षित नहीं होती है। यात्रा तिथि से 60 दिन पहले तक टिकट बुक करने की सुविधा दी जाती है।

एनसीआरबी के चौंकाने वाले आंकड़े, महाराष्ट्र देश में सबसे ज्यादा आत्महत्या वाला राज्य

मुंबई (एजेंसी)। देश में किसानों द्वारा आत्महत्या करने की संख्या कम होती नहीं दिख रही है। किसानों द्वारा आत्महत्या के मामले में महाराष्ट्र देश में पहले स्थान पर है। अक्सर देखा जाता है कि बाजार में अपने कृषि उत्पादों के दाम न मिलने, कर्ज के बोझ, बच्चों की शिक्षा, शादी जैसी परेशानियों के कारण किसान आत्महत्या का रास्ता चुन रहे हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में देश भर में कृषि क्षेत्र से जुड़े 10786 लोगों ने आत्महत्या की। इसमें 4690 किसान और 6096 खेतिहर मजदूर शामिल थे। यह आंकड़ा देश के कुल 171418 आत्महत्या पीड़ितों का 6.3 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार 2023 में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 6669 किसानों ने आत्महत्या की, जबकि 4151 किसानों और 2518 खेतिहर मजदूरों ने आत्महत्या की। एनसीआरबी की रिपोर्ट बताती है कि 2023 में देश में महाराष्ट्र में आत्महत्या की दर सबसे ज्यादा थी तमिलनाडु में 19,483 (11.4 प्रतिशत) मामले दर्ज किए गए हैं। मध्य प्रदेश में 15,662 (9.1 प्रतिशत) मामले दर्ज किए गए हैं। कर्नाटक में 13,330 (7.8 प्रतिशत) और पश्चिम बंगाल में 12,819 (7.5 प्रतिशत) आत्महत्याएँ दर्ज की गई हैं। इस बीच, एनसीआरबी की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, देश में कुल आत्महत्याओं में से 49 प्रतिशत पाँच राज्यों- महाराष्ट्र, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल में हुई हैं। शेष 51 प्रतिशत आत्महत्याएँ 23 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में हुई हैं। देश का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य (देश की 17 प्रतिशत आबादी के साथ) उत्तर प्रदेश में आत्महत्या की दर अपेक्षाकृत कम है, जो देश में दर्ज कुल मामलों का केवल 5.3 प्रतिशत है।

आत्महत्या के प्रमुख कारण

पारिवारिक समस्याएँ और बीमारी आत्महत्या के प्रमुख कारण थे, जो 2023 में कुल आत्महत्याओं का क्रमशः 31.9 प्रतिशत और 19.0 प्रतिशत था। आत्महत्या के अन्य कारण थे नशीली दवाओं/शराब का दुरुपयोग (7 प्रतिशत), वैवाहिक समस्याएं (5.3 प्रतिशत), प्रेम संबंध (4.7 प्रतिशत), दिवालियापन या कर्ज (3.8 प्रतिशत), बेरोजगारी (1.8 प्रतिशत), परीक्षा में असफलता (1.4 प्रतिशत), किसी प्रियजन की मृत्यु (1.3 प्रतिशत), पेशेवर/कैरियर संबंधी समस्याएं (1.1 प्रतिशत) और संपत्ति विवाद (1 प्रतिशत)।

संक्षिप्त समाचार

जॉर्जिया में चुनाव के दौरान हिंसक विरोध प्रदर्शन, प्रदर्शनकारियों ने आगजनी की ; पुलिस ने मिर्च स्प्रे किया

त्बिलिसी एजेंसी। जॉर्जिया की राजधानी त्बिलिसी में शनिवार को नगरपालिका चुनावों के दौरान सरकार के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन के पास सुरक्षा बैरियर तोड़ने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों ने कुर्सियों में आग लगा दी और सड़कों पर बैरिकेड्स बनाए। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार, काली मिर्च स्प्रे और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। जॉर्जिया पूर्वी यूरोपीय देश है, जो रूस और तुर्की के बीच स्थित है। यह पिछले साल के संसदीय चुनावों में सत्तारूढ़ जॉर्जियन ड्रीम पार्टी की जीत के दावे के बाद से संकट में है। विपक्षी दलों का कहना है कि उस चुनाव में धोखाधड़ी हुई थी। सरकार ने यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होने की बातचीत को भी रोक दिया है। शनिवार को हजारों प्रदर्शनकारी त्बिलिसी के फ्रीडम स्क्वायर और रुस्तवेली एवेन्यू पर जमा हुए, जिनमें से कई जॉर्जिया, ईयू और यूक्रेन के झंडे लहरा रहे थे। उन्होंने जॉर्जियन ड्रीम पार्टी पर तानाशाही और रूस समर्थक रवैये का आरोप लगाया। कुछ विपक्षी नेताओं ने सरकार को हटाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने सत्तारूढ़ पार्टी के 6 नेताओं की गिरफ्तारी की भी मांग की और जनता की इच्छा का सम्मान करने को कहा।

नेपाल में कुदरत का कहर, 24 घंटे से लगातार हो रही बारिश से 18 लोगों की मौत ; कई नदियों का बढ़ा जलस्तर

काठमांडू, एजेंसी। पड़ोसी देश नेपाल में कुदरत का कहर देखने को मिला है। पूर्वी नेपाल के इलम में पिछले 24 घंटों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 18 लोगों की जान गई है। दरअसल,रविवार सुबह तक सूर्योदय नगर पालिका में भूस्खलन में कम से कम 5 लोग, मंगसेबुंग नगर पालिका में 3 और इलम नगर पालिका में 6 लोगों की मौत की खबर है। इस आपका के बाद प्रशासन राहत के कामों में लग गया है। बढ़ सकती है मृतकों की संख्या वहीं,एसएसपी पोखरेल ने समाचार एजेंसी एएनआई से फोन पर बातचीत में कहा कि इस आपदा में मरने वालों की संख्या में इजाफा हो सकता है। वर्तमान में नुकसान का आकलन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभी तक हमारे पास केवल नुकसान और क्षति का प्रारंभिक विवरण है। प्रभावित इलाकों में सुरक्षा एजेंसियों के तीनों स्तरों (जिसमें नेपाल सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस शामिल है) को तैनात किया गया है। भारी बारिश और आगे भी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की गई है। इस बीच नदियां उफान पर हैं। काठमांडू घाटी के बाढ़ के मैदानों से निवासियों को निकालने के लिए उन्हें तैनात किया गया है। नदियों के किनारे तलाशी अभियान जारी सुरक्षा एजेंसियों ने शनिवार को घाटी से होकर गुजरने वाली सभी प्रमुख नदियों के किनारे बसी बस्तियों में तलाशी अभियान चलाया। एजेंसियों ने घर-घर में जाकर तलाशी ली, निवासियों को बाहर निकलने में मदद की और उनके सामान को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में मदद की। इन नदियों का जलस्तर बढ़ने की संभावना नेपाल के जल विज्ञान और मौसम विज्ञान विभाग ने बागमती, हनुमंते, मनोहरा, धोबी खोला, बिष्णुमती, नक्खू और बल्खू नदियों में जलस्तर बढ़ने की जानकारी दी है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बाढ़ सड़क किनारे के इलाकों तक पहुंच सकती है और बस्तियों में घुस सकती है। निवासियों और वाहन चालकों से बाढ़ के खतरे के कारण नदी के किनारे यात्रा करने से बचने का आग्रह किया गया है।

असद शासन के तख्तापलट के बाद सीरिया में पहली बार हो रहे संसदीय चुनाव

दश्मिक, एजेंसी। सीरिया में दशकों की तानाशाही और एक लंबे गृहयुद्ध के बाद रविवार को पहली बार संसदीय चुनाव हो रहे हैं। दरअसल, दिसंबर में एक विद्रोही हमले में निरकुंश नेता रहे बशर अल-असद को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। जिसके बाद यह चुनाव हो रहा है। सीरिया में हो रहा यह चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। क्योंकि यहां 50 वर्षों से अधिक समय तक असद परिवार ने देश पर कठोर शासन किया था। पिछले 10 वर्षों में सीरिया में हुए गृहयुद्ध ने तबाह कर दिया था। वैसे तो सीरिया में नियमित चुनाव होते रहे थे। जिसमें सभी सीरियाई नागरिक को मतदान करने का अधिकार था। लेकिन असद के नेतृत्व वाली बाथ पार्टी हमेशा संसद पर हावी रही, और इन चुनावों को व्यापक रूप से दिखावटी चुनाव माना जाता था।

लोकतांत्रिक प्रकिया पर नहीं हो रहा चुनाव : हालांकि, रविवार को हो रहा चुनाव भी पूरी तरह से लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर नहीं होगा। बल्कि, पीपुल्स असेंबली की ज्यादातर सीटों पर प्रत्येक जिले के निर्वाचक मंडल द्वारा मतदान किया जाएगा, जबकि एक-तिहाई सीटों पर अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा द्वारा सीधे नियुक्ति की जाएगी। फिर भी चुनाव परिणामों को इस बात का पैमाना माना जाएगा कि अंतरिम सरकारें समावेशिता, खासकर महिलाओं और

अल्पसंख्यकों के प्रति, कितनी गंभीर हैं।

कैसे काम करती है यह प्रणाली? : बता दें कि पीपुल्स असेंबली में 210 सीटें हैं, जिनमें से दो-तिहाई रविवार को चुनी जाएंगी और एक-तिहाई नियुक्त की जाएंगी। निर्वाचित सीटों पर देश भर के जिलों के निर्वाचक मंडल द्वारा मतदान किया जाता है, और प्रत्येक जिले के लिए सीटों की संख्या जनसंख्या के अनुसार वितरित की जाती है।

चुनावी प्रक्रिया के अनुसार, 60 ज़िलों में कुल 7,000 निर्वाचक मंडल सदस्यों - जिन्हें इस उद्देश्य के लिए नियुक्त समितियों द्वारा प्रत्येक जिले में आवेदकों के समूह में से चुना जाता है। उनको 140 सीटों के लिए मतदान करना चाहिए। लेकिन स्वेदा प्रांत और कुर्द नेतृत्व वाली सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्सेज के नियंत्रण वाले पूर्वोत्तर क्षेत्रों में स्थानीय अधिकारियों और दमिश्क की केंद्र सरकार के बीच तनाव के कारण चुनाव अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिए गए हैं, जिसका अर्थ है कि ये सीटें खाली रहेंगी। वहीं, करीब 6,000 निर्वाचक मंडल सदस्य 50 जिलों में लगभग 120 सीटों के लिए मतदान करेंगे। व्यक्तिगत रूप चुनाव लड़ रहें नेता गौरतलब है कि असद के सत्ता से बेदखल होने के बाद अंतरिम अधिकारियों ने सभी मौजूदा राजनीतिक दलों को भंग कर दिया। इसमें अधिकांश असद सरकार से निकटता से जुड़े थे। यहां अभी तक नए दलों के रजिस्ट्रेशन की कोई व्यवस्था नही है। इसलिए सभी उम्मीदवार व्यक्तिगत रूप से चुनाव लड़ रहे हैं।

महिलाओं के लिए कोई रिजर्व कोटा नहीं : संसद में महिलाओं और धार्मिक या जातीय अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधित्व के लिए कोई रिजर्व कोटा नहीं है। सरकारी समाचार एजेंसी सना ने राष्ट्रीय चुनाव समिति के प्रमुख मोहम्मद ताहा अल-अहमद के हवाले से बताया कि अंतिम सूचियों में शामिल 1,578 उम्मीदवारों में से 14 प्रतिशत महिलाएं थीं। कुछ ज़िलों में, कुल उम्मीदवारों में से 30 या 40 प्रतिशत महिलाएं हैं, जबकि अन्य में कोई महिला उम्मीदवार नहीं है।

अब हुई देरी, तो भुगतने के लिए तैयार रहना, शांति समझौते को मानने के लिए ट्रंप ने हमास को दी वॉर्निंग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर फलस्तीन में गाजा समूह को चेतावनी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह (हमास) जल्द से जल्द कदम उठाए और इजरायल के साथ शांति समझौते पर सहमत हो, वरना गाजा में और ताबाही देखने को मिल सकती है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा कि हमाज को जल्द ही कदम उठाना होगा, वरना सारे दांव बेकार चले जाएंगे। उन्होंने यह भी लिखा कि वह अब देर बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्लान को हमास को मानना चाहिए और इसको जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए। इसके अलावा डोनाल्ड ट्रंप ने इस बात की सराहना भी कि इजरायल ने बंधकों की रिहाई और शांति समझौते को पूरा होने का मौका देने के लिए बमबारी अस्थायी रूप से रोक दी है। हालांकि, इस बीच नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि इजरायल ने रात भर में गाजा शहर पर दर्जनों हमले किए।

कोई भी देरी बर्दाश्त नहीं : बताया जा रहा है कि ट्रंप के एक वरिष्ठ दूत बंधकों की रिहाई की जानकारी और को पाने और इस विवरण को अंतिम रूप देने के लिए मिस्र जा रहे थे। चूंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने पहले ही चेतावनी दी है कि इस प्लान में वह देरी बर्दाश्त नहीं

करेंगे। एनडीटीवी की एक रिपोर्ट में बताया गया कि व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि जेरेड कुशनर और ट्रंप के मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ बंधकों की रिहाई के विवरण को अंतिम रूप देने और इजरायल और हमास के बीच संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा प्रस्तावित समझौते पर चर्चा करने के लिए इस क्षेत्र की यात्रा कर रहे हैं।

सभी बंधकों को छोड़ने के तैयार है हमास गौरतलब है कि फलस्तीन में हमास समूह ने शुक्रवार को दो साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने वाली योजना पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। इस दौरान हमास का कहना है कि वह सभी बंधकों को रिहा करने और समझौते के विवरण पर चर्चा करने के लिए तैयार है।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसके बदले में इजरायल से युद्धग्रस्त क्षेत्र पर बमबारी तुरंत रोकने का आह्वान किया, हालांकि क्षेत्र में वाशिंगटन के प्रमुख सहयोगी ने शनिवार को कहा कि उसके सैनिक अभी भी गाजा में सक्रिय हैं।

अमेरिकी पुलिस ने शिकागो में महिला को मारी गोली

शिकागो , एजेंसी। अमेरिका के शिकागो में कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर हमला हुआ है। करीब 10 वाहनों ने उन्हें टक्कर मारते हुए घेर लिया। इस दौरान अमेरिकी संघीय एजेंटों ने एक महिला को गोली मार दी। यह घटना बढ़ते आईसीई विरोधी प्रदर्शन और ट्रंप सरकार द्वारा डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले शहरों में अशांति को कम करने के प्रयासों के बीच हुई है। संघीय एजेंटों का कहना है कि शिकागो के साउथ साइड पर अधिकारियों को फंसाया गया था। डीएचएस की सहायक सचिव ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कम से कम 10 कारों ने अधिकारियों को टक्कर मारी और घेर लिया। उन्होंने आगे लिखा कि एजेंट अपने वाहनों को आगे नहीं बढ़ा पाए और कार से बाहर निकल गए। कानून प्रवर्तन वाहन को टक्कर मारने वाले ड्राइवरों में से एक के पास एक अर्ध-स्वचालित हथियार था। कानून प्रवर्तन को अपने हथियार तैनात करने और एक सशस्त्र अमेरिकी नागरिक पर रक्षात्मक गोलियां चलाने के लिए मजबूर होना पड़ा, जो खुद ही घावों का इलाज कराने के लिए अस्पताल जा रही थी। मैकलॉघलिन ने पोस्ट के जरिए बताया कि सशस्त्र महिला का नाम पिछले हफ्ते एक खुफिया बुलेटिन में एजेंटों की जानकारी छिपाने और ऑनलाइन पोस्ट करने के लिए दर्ज किया गया था। महिला का नाम अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है और शनिवार को उसकी हालत ठीक नहीं थी। इस मामले को लेकर अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग की सचिव क्रिस्टी नोएम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज शिकागो में, हमारे बहादुर कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर हमला किया गया - दस वाहनों ने उन्हें टक्कर मार दी और घेर लिया, जिनमें एक अर्ध-स्वचालित हथियार से लैस हमलावर भी शामिल था। मैं घटनास्थल पर नियंत्रण के लिए और विशेष अभियान चला रही हूं। अतिरिक्त बल आ रहे हैं। अगर आज आपको कोई कानून प्रवर्तन अधिकारी मिले, तो उन्हें धन्यवाद दें।

ट्रंप प्रशासन को यूएसफेडरल कोर्ट से बड़ा झटका, पोर्टलैंड में सैनिकों की तैनाती पर लगाई रोक

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिकी संघीय न्यायालय राष्ट्रपति डोनलड ट्रंप को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने 200 नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनानी पर स्थायी रोक लगा दी है। संघीय न्यायालय का कहना है कि हाल के दिनों में हुए विरोध प्रदर्शनों को 'विद्रोह' नहीं कहा जा सकता और यह विरोध कानून-व्यवस्था में गंभीर बाधा नहीं बनती।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ओरेगन के पोर्टलैंड शहर में 200 नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती का आदेश दिया था। लेकिन संघीय जज ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को पोर्टलैंड शहर में 200 ओरेगन नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। संघीय न्यायालय द्वारा यह रोक 18 अक्टूबर तक के लिए लगाया गया है। पोर्टलैंड में अमेरिकी जिला जज करिन इमरगुट ने यह फैसला सुनाया है। उन्होंने नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती पर रोक लगाते हुए कहा कि प्रशासन ने ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया, जिससे यह साबित हो सके कि पोर्टलैंड में विरोध प्रदर्शन किसी विद्रोह के स्तर तक पहुंचे हों या उन्होंने कानून व्यवस्था में गंभीर बाधा बन रही हो। साथ ही यह भी दावा किया गया है कि ट्रम्प की तैनाती राज्य के अधिकारों का उल्लंघन करती है।

ट्रंप के लिए बड़ा झटका : पोर्टलैंड में अमेरिकी जिला जज करिन इमरगुट का फैसला यह फैसला ट्रम्प के लिए एक झटका है क्योंकि वह उन शहरों में सेना भेजना चाहते हैं। जिन्हें वह अपने डेमोक्रटिक नेताओं की आपत्तियों के बावजूद अराजक बताते हैं। ट्रंप द्वारा अपने पहले कार्यकाल के दौरान नियुक्त किए गए इमरगुट ने ही रिपब्लिकन राष्ट्रपति को कम से कम 18 अक्टूबर तक सेना भेजने से रोक दिया।

वकीलों ने क्या कहा? गौरतलब है कि ट्रंप ने पोर्टलैंड शहर को युद्धग्रस्त बताते हुए नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती करने का आदेश दिया था। लेकिन इस मामले पर ओरेगन अटॉर्नी जनरल कार्यालय के वकीलों ने कहा है कि पोर्टलैंड में विरोध प्रदर्शन छोटे और शांत थे। इसी वजह से 19 जून तक सिर्फ 25 गिरफ्तारियां हुईं। जबकि इसके बाद तीन महीनों में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई।

व्हाइट हाउस करेगा अपील करेगा व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एबिगेल जैक्सन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने हिंसक दंगों और कानून प्रवर्तन पर हमलों के बाद पोर्टलैंड में संघीय संपत्तियों और कर्मियों की सुरक्षा के लिए अपने वैध अधिकार का प्रयोग किया है। हमें उम्मीद है कि उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें दोषमुक्त किया जाएगा।

आपत्तियों के बावजूद सेना भेजने की तैयारी ट्रंप पहले ही लॉस एंजिल्स और वाशिंगटन डी.सी.।की पुलिसिंग के लिए नेशनल गार्ड भेज चुके हैं, और उन्होंने कहा है कि वह कई अन्य शहरों में भी सेना भेजेंगे। इससे पहले शनिवार को, इलिनॉय के गवर्नर, जो एक डेमोक्रेट हैं, जेबी प्रिट्जकर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि ट्रंप उनकी आपत्तियों के बावजूद शिकागो में 300 नेशनल गार्ड सैनिक भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

ट्रंप के रोकने के बावजूद गाजा पर हमला कर रहा इजरायल, अटैक में 70 की मौत

येरूसलम, एजेंसी। गाजा में चल रहे संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप युद्ध विराम की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच इजरायल ने गाजा पर फिर से हवाई हमला शुरू कर दिया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को हुए इजरायली हमले में कम से कम 70 फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। मारे गए नागरिकों में मासूम बच्चे भी शामिल हैं। दरअसल, ट्रंप हमास-इजरायल के बीच चल रहे युद्ध को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। हमास द्वारा सहमति जताए जाने के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इजरायल से गाजा पर तुरंत बमबारी रोकने का आदेश दिया था। इसके बाद भी शनिवार को इजरायल द्वारा गाजा पर हमला किया गया है। इस हमले में इजरायली सैन्य ठिकानों के बीच में रहे गाजा शहर के लोग सबसे अधिक हताहत हुए। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि वहां 45 लोगों की जान चली गई। हाल के हफ्तों में इजरायली हमलों ने दस लाख से अधिक गाजावासियों को प्रभावित किया है। इजरायल द्वारा किए जा रहे हमले के कारण गाजावासियों को यह इलाका छोड़कर दक्षिणी गाजा की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

हमले से पहले खाली करने का अल्टीमेटम इजरायली सेना ने दक्षिणी गाज़ा में एक विस्थापन शिविर, अल-मवासी पर भी हमले किए हैं। इससे पहले ही इजरायली सैनिकों ने फिलिस्तीनियों को खाली करने के लिए कहा था। इस हमले में दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि कम से कम आठ अन्य घायल हो गए। इसके अलावा तुफाह इलाके में, एक रिहायशी घर पर भी हवाई हमले हुए। जिसमें 18 लोग मारे गए और कई लोग घायल हुए।

ट्रंप ने दी चेतावनी गौरतलब है कि ट्रंप ने इस बात की सराहना की कि इजरायल ने बंधकों की रिहाई के लिए बमबारी अस्थायी रूप से रोक दी, लेकिन हमास को चेतावनी दी कि वह देरी न करे, वरना सब दांव पर लग जाएगा। ट्रंप ने कहा कि मैं देरी बर्दाश्त नहीं करूंगा, जैसा कि कई लोग सोचते हैं कि होगा, या ऐसा कोई भी नतीजा बर्दाश्त नहीं करूँगा जहाँ गाज़ा फिर से ख़तरा पैदा करे। आइए इसे जल्द से जल्द पूरा करें। सभी के साथ उचित व्यवहार किया जाएगा। ट्रंप ने लिखा, जब हमास पुष्टि करेगा, तो युद्धविराम तुरंत प्रभावी हो जाएगा, बंधकों और कैदियों की अदला-बदली शुरू हो जाएगी, और हम वापसी के अगले चरण के लिए परिस्थितियाँ तैयार करेंगे। मिस्र के विदेश मंत्रालय के अनुसार, हमास और इजरायल के प्रतिनिधिमंडल भी सोमवार को वार्ता में शामिल होंगे।

कराची में 6 अलग-अलग जगहों पर हुई फायरिंग से दहशत में लोग, 4 की मौत और कई घायल

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान के कराची में 6 जगहों पर फायरिंग के बाद 4 लोगों की मौत हो गई। यह सभी घटनाएं शनिवार को अलग-अलग जगहों पर दर्ज की गईं। फायरिंग से पूरे शहर में सनसनी फैल गई है। कराची के ओरंगी में कुछ लुटेरों ने इस घटना को अंजाम दिया। इकबाल मार्केट पुलिस स्टेशन में एलपीजी की दुकान पर लूटपाट के दौरान आरोपियों ने दुकानदार पर गोली चला दी और उसकी मौके पर मौत हो गई। दुकानदार ने अपनी जान बचाने के लिए लुटेरे के हाथ से बंदूक छीन ली और उसपर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान आरोपी लुटेरा भी गोली लगने से घायल हो गया और मौके से फरार हो गया। कराची पुलिस के अनुसार, लुटेरे पर पहले से कई गंभीर मामले दर्ज थे। उसपर चोरी, डकैती के अलावा मर्डर का केस भी चल रहा था। वहीं, फायरिंग की दूसरी घटना कराची की शेरपाओ कालोनी में घटी, जहां एक व्यक्ति को सरेआम मौत के घाट उतार दिया गया। व्यक्ति अपनी बाइक से जा रहा था। तभी 2 लोगों ने उसका पीछा किया और बीच सड़क पर उसे गली मार दी। पुलिस का कहना है कि मृतक के सिर में 3 गोलियां मिली हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कराची के मलिर में बकरा पीरी के पास पुलिस एनकाउंटर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक एक पेशेवर लुटेरा था, जिसने कुछ दिन पहले एक दुकानदार की जान ले ली थी। उसका नाम गुलाम कादिर था। एसएसपी के अनुसार, गुलाम समाद काठिवाड़ी नेटवर्क से जुड़ा था और गैंग-वॉर में भी शामिल था। पुलिस को उसके फोन से कई सबूत मिले हैं। न्यू कराची शहर में पुलिस ने एक लुटेरे को गिरफ्तार किया, जो बुरी तरह से घायल था। लोगों ने उसे कराची के निजामाबाद से पकड़ा था और मारपीट कर पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं, एक अन्य हादसे में 3 साल की बच्ची की पानी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कराची में शनिवार को एक मामला सामने आया था, जिसमें जिन्ना पोस्ट ग्रेजुएट सेंटर में एक महिला को गोली मार दी गई थी।

पाक आर्मी बोली-अब भारत से युद्ध हुआ तो तबाही होगी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सेना ने शनिवार रात को भारत को चेतावनी देते हुए कहा- अगर अब दोनों देशों के बीच युद्ध हुआ तो विनाशकारी तबाही होगी। अगर दुश्मनी का नया दौर शुरू हुआ तो पाकिस्तान पीछे नहीं हटेगा। हम बिना किसी हिचकिचाहट से जवाब देंगे। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग ने ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी कर कहा कि भारतीय रक्षामंत्री और सेना के अधिकारियों के गैर-जिम्मेदाराना बयान जंग को बढ़ावा देने की कोशिश है। इसके साथ ही भारतीय आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी पर निशाना साधते हुए पाकिस्तानी सेना ने कहा- जहां तक पाकिस्तान को नक्शे से मिटाने की बातें हैं। भारत को पता होना चाहिए कि ऐसी स्थिति आती है, तो मिटना दोनों तरफ से होगा। दरअसल,शुक्रवार को उपेंद्र द्विवेदी ने कहा था- पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि उसे भूगोल में रहना है या नहीं। अगर अपनी जगह बनानी है, तो उसे आतंकवाद को संरक्षण देना बंद करना पड़ेगा।

ऑपरेशन सिंदूर- भारत ने पाकिस्तान के 8 आतंकी ठिकाने तबाह किए : भारत ने 7 मई को रात डेढ़ बजे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। सेना ने कहा था कि इस स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। पाकिस्तान के सरकारी मीडिया के मुताबिक, भारत ने कोटली, बहावलपुर, मुरीदके, बाग और मुजफ्फराबाद में अटैक किया थे। इसमें आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का हेडक्वॉर्टर और जैश-ए-मोहम्मद के मुखिया मसूद अजहर का ठिकाना भी शामिल था।

3 बयान, जिसपर पाकिस्तान ने

प्रतिक्रिया दी : रक्षामंत्री राजनाथ सिंह (3 अक्टूबर)- जब भी भारत के गौरव और सम्मान की बात आएगी, देश कभी समझौता नहीं करेगा। भारत अपनी एकता और अखंडता की रक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर किसी भी सीमा को पार कर सकता है। आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी (3 अक्टूबर)-जिस तरह से भारत ने ऑपरेशन सिंदूर 1.0 में संयम रखा है, अबकी बार भारत ये संयम नहीं रखेगा। इस बार हम आगे की कार्रवाई करेंगे। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह (3 अक्टूबर)- ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के करीब 12 से 13 विमान तबाह किए गए थे। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के पांच फाइटर जेट और एक ष्ट-130 (ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट) को जमीन पर तबाह किया। ये विमान पाकिस्तान के एयरबेस और हैंगर (विमानों की पार्किंग) पर खड़े थे। भारत से आ रहे बयान झूठे, उकसाने, बिना सोच-विचार और जंग को बढ़ावा देने वाले हैं। दशकों तक भारत ने खुद को पीड़ित बताकर पाकिस्तान को गलत बताया, जबकि वह खुद हिंसा और आतंक को बढ़ावा देता है। इस साल भारत के कारण दो परमाणु देश युद्ध के कगार पर आ पहुंच गए थे, भारत शायद उन नुकसानों और पाकिस्तान की कड़ी प्रतिक्रियां को भूल गया है। भारतीय रक्षा मंत्री, उसकी सेना और वायु सेना प्रमुखों के भड़काऊ बयानों पर हम चेतावनी देते हैं कि भविष्य में यह टकराव तबाही ला सकता है। अगर दुश्मनी का एक नया दौर शुरू होता है, तो पाकिस्तान पीछे नहीं हटेगा। हम बिना किसी हिचक के पूरी ताकत और मजबूती से जवाब देंगे। जहां तक पाकिस्तान को नक्शे से मिटाने की बातें हैं। भारत को पता होना चाहिए कि ऐसी स्थिति आती है, तो मिटना दोनों तरफ से होगा। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट प्रो. श्रीकांत कोंडापल्ली ने दावा किया है कि पहलगाम आतंकी हमले में शामिल एक आतंकवादी के पास चीनी सैटेलाइट कनेक्शन वाला फोन था, जिससे उसने पाकिस्तान को संदेश भेजे थे। कोंडापल्ली के मुताबिक, पहलगाम इलाके की 120 से अधिक सैटेलाइट स्लाइड्स पाकिस्तान को दी गई थीं। इसका मतलब है कि चीन आतंकवाद पर अपने वादों के बावजूद पाकिस्तान की मदद कर रहा था।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर 66 हजार वसूले

इंस्टाग्राम पर नाबालिग से संपर्क करने वाले आरोपी की उत्तर प्रदेश से गिरफ्तारी

शादी का झांसा देकर जातिसूचक गालियां दीं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में शादी का लालच देकर नाबालिग लड़की के अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर उससे 66,000 रुपये वसूलने वाले एक युवक को सूरत पुलिस ने उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पोक्सो और अत्याचार निवारण अधिनियम (Atrocity Act) के तहत गंभीर अपराध दर्ज किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटना की शुरुआत वर्ष 2021 में हुई थी। आरोपी मोहम्मद जीशान शफीक उर रहमान (उम्र 22 वर्ष, निवासी अलीगढ़, उत्तर प्रदेश), जो एक कॉस्मेटिक की दुकान में नौकरी करता है, उसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के जरिए पीड़िता का संपर्क नंबर हासिल किया था। इसके बाद से आरोपी इंस्टाग्राम, फोन, व्हाट्सएप कॉल और वीडियो कॉल के जरिए नाबालिग से लगातार बातचीत करता रहा और उसे शादी का झांसा देता रहा। इसी दौरान उसने पीड़िता के अश्लील फोटो निकाल लिए थे।

जब पीड़िता ने आरोपी से शादी को लेकर बातचीत की, तो आरोपी ने उसकी जाति के बारे में पूछताछ की और कहा – ''मैं नीची जाति वालों से शादी नहीं करूंगा'' और जातिसूचक अपशब्द कहे।

इसके बाद आरोपी ने धमकी दी कि उसने पीड़िता की अश्लील अवस्था के जो स्क्रीनशॉट निकाले हैं, उन्हें वायरल कर देगा। इस धमकी और इमोशनल ब्लैकमेल के जरिए आरोपी ने किश्तों में ऑनलाइन माध्यम से पीड़िता से अपने बैंक खाते में कुल 66,000 रुपये मंगवाए। इतना ही नहीं, आरोपी ने और पैसे भेजने के लिए पीड़िता को जान से मारने की धमकी भी दी थी।

पूरे मामले में पीड़िता के परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर सूरत पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और चूंकि आरोपी उत्तर प्रदेश में था, वहां जांच के लिए टीम भेजी गई। पुलिस टीम ने उत्तर प्रदेश में अलग-अलग जगहों पर जांच की और टेक्निकल एनालिसिस व मानव स्रोतों की मदद से कुछ ही घंटों में आरोपी मोहम्मद जीशान को अलीगढ़ (पता : 1001, कैलाश गली चौक) से गिरफ्तार कर लिया।

उसे हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई के लिए सूरत लाया गया है। आरोपी पर पोक्सो एक्ट और अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

जान बचाने के लिए ड्राइवर चलती ट्रेलर से कूद गया

लूट कर फरार हो रहा ट्रेलर रोकरडिया हनुमान मंदिर की दीवार से टकराया

पुलिस ने दो शातिर अपराधियों को दबोचा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में लूट की वारदात कर फरार हो रहा एक ट्रेलर अचानक रोकरडिया हनुमान मंदिर की दीवार में घुस गया, जिसके बाद पुलिस ने दो शातिर अपराधियों को पकड़ लिया।

इस घटना के फरियादी राकेश कुमार यादव हजीरा स्थित कंपनी में ट्रेलर चालक हैं। रविवार तड़के वे क्रिभको कंपनी से खाली ट्रेलर लेकर बॉम्बे मार्केट होकर वापस लौट रहे थे। परवत पाटिया के पास आंजणा ब्रिज से उतरते समय अचानक दो लुटेरे उनके ट्रेलर के केबिन में चढ़ गए। लुटेरों ने चाकू दिखाकर राकेश कुमार को धमकाया और उनका मोबाइल फोन व 3,000 रुपए लूट लिए। अपनी जान बचाने के लिए ड्राइवर चलती ट्रेलर से कूद गया और भाग निकला। लुटेरे ट्रेलर लेकर उधना की ओर भाग निकले। चालक राकेश यादव ने तुरंत 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। संदेश मिलते ही उधना पुलिस की क्र्क्र वैन हरकत में आई और फिल्मी अंदाज में लुटेरों के ट्रेलर का पीछा शुरू कर दिया। पुलिस को पीछे देख आरोपियों ने ट्रेलर की रफ्तार और बढ़ा दी, जिससे रास्ते पर अफरातफरी मच गई। उधना के खरवरनगर इलाके के पास पहुँचकर लुटेरों ने पुलिस को चकमा देने के लिए पुल के नीचे से ट्रेलर को यू-टर्न दिलाने की कोशिश की।

तेज़ी से मोड़ लेने की कोशिश में लुटेरे ट्रेलर से काबू खो बैठे और ट्रेलर सीधे पास के रोकरडिया हनुमान मंदिर की दीवार से टकराकर रुक गया। ट्रेलर की जोरदार टक्कर के बावजूद मंदिर के भीतर स्थापित हनुमानजी की प्रतिमा को जरा भी नुकसान नहीं पहुँचा। ट्रेलर मंदिर से टकराते ही ठहर गया और पुलिस ने मौके पर ही दोनों लुटेरों को दबोच लिया।

डीसीपी डॉ. कानन देसाई ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने आशिफ शेख और सोयेब गुल्लू नामक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों सामान्य अपराधी नहीं हैं। मुख्य आरोपी आशिफ शेख का लंबा आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ 6 अलग-अलग थानों में हत्या के प्रयास सहित लगभग 16 मामले दर्ज हैं। दूसरा आरोपी सोयेब गुल्लू भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है।

पुलिस ने बताया कि शातिर अपराधी आशिफ शेख के खिलाफ पासा एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लुटेरों को पकड़कर वारदात का पर्दाफाश कर दिया है

सूरत पालिका के लिंबायत ज़ोन में एजेंट राज

डिप्टी इंजीनियर के एजेंट छोटे कॉन्ट्रैक्टरों को परेशान करने का आरोप लगाते हुए शिकायत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की अन्य सरकारी कार्यालयों में एजेंट राज की शिकायत होती रही है। अब पालिका के लिंबायत ज़ोन में भी एजेंट राज चलने की शिकायत सामने आई है। म्युनिसिपल कमिश्नर को बिना नाम की लिखित शिकायत की गई है।

नामरहित शिकायत में कहा गया है कि ज़ोन के डिप्टी इंजीनियर मान्यता प्राप्त कॉन्ट्रैक्टरों को बचाने के लिए अन्य कॉन्ट्रैक्टरों को एजेंटों के माध्यम से परेशान कर रहे हैं। दिवाली से पहले इस तरह की शिकायत पालिका में चर्चा का विषय बन गई है।

सूरत पालिका समेत शहर के कई दफ्तरों में घूसखोर कर्मचारियों की संख्या बढ़ रही है और इसके लिए एसीबी ट्रैप भी हो रहे हैं। इन्हीं बातों के बीच सूरत म्युनिसिपल कमिश्नर को नामरहित लिखित शिकायत की गई है।

शिकायत में बताया गया है कि लिंबायत ज़ोन में बारह लाख तक के कॉन्ट्रैक्टर हैं। ज़ोन के वाई.सी. देसाई डिप्टी इंजीनियर हैं। उन्होंने फिरोज, अफजल और परवाना नाम के एजेंट रखे हैं। ये एजेंट डिप्टी इंजीनियर के मान्यता प्राप्त न होने वाले कॉन्ट्रैक्टरों को परेशान कर रहे हैं। इस परेशानियों को दूर करने के लिए जांच की मांग की गई है।

दिवाली से पहले म्युनिसिपल कमिश्नर को अधिकारी और कथित एजेंटों के नाम के साथ बिना नाम की यह शिकायत मिली है, जो पालिका में चर्चा का विषय बन गई है। अगर यह शिकायत सही पाई जाती है तो अधिकारी और एजेंटों पर कार्रवाई करने तथा अगर गलत पाई जाती है तो झूठी शिकायत करने वालों पर कार्रवाई करने की मांग उठ रही है।

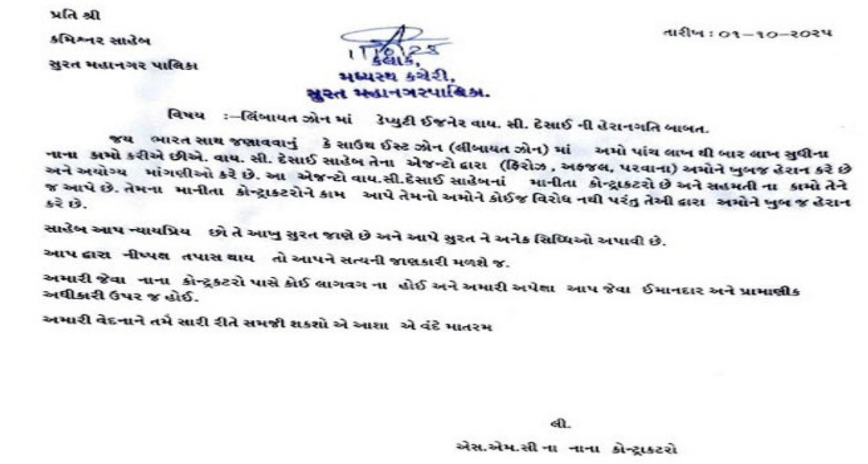
પ્રતિ શ્રી
કમિશ્નર સાહેબ
સુરત મહાનગર પાલિકા

તારીખ : ૦૧-૧૦-૨૦૨૫

1/10/25
ઇનવર્ડ,
મધ્યસ્થ કચેરી,
સુરત મહાનગરપાલિકા.

વિષય :- લિંબાયત ઝોન માં ડેપ્યુટી ઈજનેર વાય. સી. દેસાઈ ની હેરાનગતિ બાબત.

જય ભારત સાથ જણાવવાનું કે સાઉથ ઈસ્ટ ઝોન (લીંબાયત ઝોન) માં અમો પાંચ લાખ થી બાર લાખ સુધીના નાના કામો કરીએ છીએ. વાય. સી. દેસાઈ સાહેબ તેના એજન્ટો દ્વારા (ફિરોઝ, અફજલ, પરવાના) અમોને ખુબજ હેરાન કરે છે અને અયોગ્ય માંગણીઓ કરે છે. આ એજન્ટો વાય.સી.દેસાઈ સાહેબનાં માનીતા કોન્ટ્રાકટરો છે અને સહમતી ના કામો તેને જ આપે છે. તેમના માનીતા કોન્ટ્રાકટરોને કામ આપે તેમનો અમોને કોઈજ વિરોધ નથી પરંતુ તેઓ દ્વારા અમોને ખુબ જ હેરાન કરે છે.

સાહેબ આપ ન્યાયપ્રિય છો તે આખુ સુરત જાણે છે અને આપે સુરત ને અનેક સિધ્ધિઓ અપાવી છે.

આપ દ્વારા નીષ્પક્ષ તપાસ થાય તો આપને સત્યની જાણકારી મળશે જ.

અમારી જેવા નાના કોન્ટ્રકટરો પાસે કોઈ લાગવગ ના હોઈ અને અમારી અપેક્ષા આપ જેવા ઈમાનદાર અને પ્રામાણીક અધીકારી ઉપર જ હોઈ.

અમારી વેદનાને તમે સારી રીતે સમજી શકશો એ આશા એ વંદે માતરમ

લી.
એસ.એમ.સી ના નાના કોન્ટ્રાકટરો

"एकल जोश" दीपावली स्नेह मिलन का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वनबंधु परिषद युवा शाखा द्वारा दीपोत्सव के अवसर पर "एकल जोश" का आयोजन रविवार को रात्रि आठ बजे से कैनाल रोड स्थित शांतम हॉल में किया गया। आयोजन के संयोजक गोपेश अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की गई। इसके बाद वनबंधु परिषद के कार्यों के बारे में बताया गया।

आयोजन में स्थानीय गायक प्रेमहरि प्रभु एवं उनकी टीम द्वारा हरे कृष्णा हरे राम की धुन पर संकीर्तन किया गया। आयोजन में दो सौ युवा सदस्यों ने एक अलग तरीके से भक्ति भाव में भजन कीर्तन किया। कार्यक्रम के अंत में दीप दान का आयोजन भी किया गया। सभी के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था समिति द्वारा की गई थी। इस मौके पर आयोजन के मुख्य यजमान संदीप शाह, कपीश खाटूवाला, गौतम प्रजापति सहित एकल युवा के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

पटाखों से पूरा पुलिस स्टेशन भर गया

अमरोली पुलिस ने पाँच फ्लैटों में रखा विस्फोटक पटाखों का जखीरा जब्त किया लोगों की जान जोखिम में डालने वाले दो की गिरफ्तारी

दो इमारतों के पाँच अलग-अलग फ्लैटों से मिला बड़ा जखीरा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की अमरोली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संग्रहीत पटाखों के जखीरे के साथ एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। यह पटाखे आवासीय इलाके कोसाड आवास में बिना किसी फायर सेफ्टी के रखे गए थे, जिससे आम जनता की जान जोखिम में थी। उल्लेखनीय है कि यह पटाखों का जखीरा कपोद्रा के एक पटाखा व्यापारी अनिल से लाया गया था।

पुलिस का मानना है कि यदि इस व्यापारी के कपोद्रा इलाके में मौजूद गोदामों की भी जांच की जाए तो बड़े खुलासे हो सकते हैं।

पुलिस को सूचना मिली थी कि अमरोली इलाके के कोसाड H-5 आवास में अवैध रूप से पटाखों का भंडारण किया गया है। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने छापा मारा। जांच के दौरान पुलिस को दो इमारतों के पाँच अलग-अलग फ्लैटों से भारी मात्रा में पटाखों का जखीरा मिला। इस मामले में पुलिस ने मनोज देवपूजक और संगीता बेन देवपूजक नामक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 8,59,595 रुपए मूल्य के पटाखे जब्त किए गए हैं। आरोपियों ने आवासीय फ्लैट के अंदर बिना किसी प्रकार की अग्निशमन व्यवस्था के इतने बड़े पैमाने पर ज्वलनशील पटाखों का भंडारण किया था, जिससे आसपास के लोगों की जान को गंभीर खतरा था।

इस गंभीर लापरवाही के चलते पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, जब्त किया गया यह जखीरा कपोद्रा के एक बड़े पटाखा व्यापारी "अनिल" से लाया गया था। पुलिस को संदेह है कि इस अनिल नामक व्यापारी के कपोद्रा इलाके में भी आवासीय क्षेत्र के भीतर अवैध गोदाम हो सकते हैं। अमरोली पुलिस अब इस मुख्य सप्लायर की गहन जांच कर रही है। पुलिस की सघन जांच के बाद इस नेटवर्क को लेकर और चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं।

दिवाली त्योहार के दौरान अवैध रूप से पटाखों का भंडारण कर जनसुरक्षा को खतरे में डालने वालों के खिलाफ पुलिस सख्त कदम उठाने के लिए कटिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि इतने बड़े पैमाने पर जब्त किए गए पटाखे पुलिस स्टेशन में लाए गए तो पूरा पुलिस स्टेशन पटाखों से भर गया।

सूरत की महिला कलाकारों ने दीवाली के दीयों-कोड़ियों को दिया आधुनिक टच

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दीवाली के त्योहार को और अधिक चमकदार और रचनात्मक बनाने के लिए समय के साथ दीयों और कोड़ियों में भी आधुनिकता का रंग देखने को मिल रहा है। पहले केवल लाल मिट्टी के पारंपरिक दीये और कोड़िया दिखाई देते थे, लेकिन अब महिला कारीगर अपनी कलात्मक प्रतिभा से उन्हें आधुनिक टच देकर और अधिक डिज़ाइनर व आकर्षक बना रही हैं।

स्वदेशी महिला कारीगरों ने विभिन्न रंग और आकार में आकर्षक कोड़िया और दीये बनाकर दीवाली के त्योहार के लिए बिक्री हेतु बाजार में उतारे हैं।

स्वदेशी वस्तुओं को प्रोत्साहन देने के लिए च्वोकल फॉर लोकलज्ज के नारे के साथ सूरत में च्सरस मेलाज्ज का आयोजन हुआ है। यहां स्थानीय महिला कारीगरों द्वारा बनाई गई विभिन्न वस्तुएं देखने को मिल रही हैं।

सूरत की स्वदेशी महिला कारीगरों ने मोम, रंग और आकारों को मिलाकर कई प्रकार के रंग-बिरंगे दीये तैयार किए हैं। दीयों को आधुनिक टच देने वाली नेहाली पटेल कहती हैं – "हमने पहले प्रशिक्षण लिया था। उसके बाद सखी मंडल से जुड़कर कोड़िया बनाए हैं। इनमें ग्राहकों को पहली नज़र में पसंद आ जाए ऐसे फूलों के आकार, स्टार और गणपति जैसे डिज़ाइन वाले रंगीन दीये बनाए हैं।"

दीपिका पटेल कहती हैं – "स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए 'लोकल फॉर वोकल' के अंतर्गत सूरत में सरस मेला आयोजित किया गया है। इससे स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहन मिल रहा है। लोग हमेशा कुछ नया मांगते हैं, इसलिए हमने समय के साथ पारंपरिक दीये-कोड़िया बनाकर उन्हें बिक्री के लिए रखा है।"

इससे परंपरा और आधुनिकता का अनोखा संगम दीवाली के त्योहार को और भी ज्यादा जगमगाता बना रहा है। सूरत के सरस मेले में विभिन्न प्रकार के रंगीन दीयों और कोड़ियों की रोशनी के बीच महिला कलाकारों की रचनात्मकता चमक रही है।

अनूठे फैशन शो में कैंसर वॉरियर्स ने किया रैंप वॉक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस ग्रुप (बी-कैग) द्वारा एक अनूठे फैशन शो का आयोजन रविवार को सिटी लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के पंचवटी हॉल में किया गया। बी-कैग की प्रमुख पूनम पाराशर, जो खुद भी ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित रह चुकी है ने बताया कि कैंसर वॉरियर्स के लिए फैशन शो का आयोजन किया गया। आयोजन में सभी कैंसर वॉरियर्स ने रैंप पर वॉक की। इनके साथ डॉक्टर्स, वूमेन एंटरप्रेन्योर आदि ने भी रैंप वॉक की। आयोजन का उद्देश्य कैंसर वॉरियर्स को एक अलग खुशी देना एवं लोगों को ब्रेस्ट कैंसर के लिए जागरूक करना था। कार्यक्रम का संचालन लाइफ स्टाइल एक्सपर्ट डॉ. मुकेश पाराशर ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस कमिश्नर अनुपम गहलोत थे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर अनिल गुप्ता, अर्पित शाह, पुखराज अग्रवाल , दीपक चौकसी, पूर्व टेक्सटाइल मिनिस्टर दर्शनाबेन जरदोष, फैशन डिजाइनर आस्था अरोड़ा एवं टीना रांका उपस्थित रहें।

आयोजन में कैंसर वॉरियर्स को संबोधित करते हुए पूनम पाराशर ने बताया कि ब्रेस्ट कैंसर एक ऐसी बीमारी है जो डायग्नोज देरी से होती है। इसका इलाज इतना महंगा है कि एक परिवार आर्थिक, शारिरिक और मानसिक रुप से टूट जाता है।

महिलाएं अक्सर ब्रेस्ट कैंसर के बारे में चर्चा करने से परहेज करती हैं , यह भी इसके एडवांस्ड स्टेज पर जाने का मुख्य कारण है। बी-कैग द्वारा पूरे साल में इसकी जागरूकता के लिए वर्कशॉप, सेमीनार, फ्री चेक-अप कैंप आदि का आयोजन कर ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को इस अभियान से जोड़ा जाता है।